

वास्तविक मांगों का एक चारर होना चाहिए, इसमें बच्चों के लिए विफायती शिक्षा प्रदान करना, मंदिरों का आधुनिकीकरण, पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं और आर्थिक सहायता शामिल हैं। उन्हें तथ्यांकित धर्मनिरपेक्ष ब्रिगेड से कठिन प्रश्न पढ़ने चाहिए। एक-उन्होंने मुस्लिम समुदाय के उथान और शासन में उनका प्रतिनिधित्व देने के लिए क्या किया है। आखिर 'ईडिया' ब्लॉक में प्रमुख मुस्लिम नेता कहते हैं? यह एक सामान्य बात लग सकती है लेकिन दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी के लिए यह तत् करने का समय आ गया है कि उन्हें दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में राजनीति से जुड़ने की जरूरत है।

एक नजर

पेड़ से टकराई बाइक, दो युवक की मौत, एक की हालत गंभीर

अमराड़ा। सिकिंदिरी थाना क्षेत्र के भुसुर जंगल में गुरुवार की रात करीब साढ़े नौ बजे एक तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में बाइक में सवार दो युवक की मौत हो गई, वहीं एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल युवक का ईलाज रिम्स में किया जा रहा है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रामगढ़ जिला के कुज्जू निवासी छोटू कुमार प्रजापति(20) पिता सावन प्रजापति,बबलू बेदिया(19) पिता सोहन बेदिया व संदीप करमाली(20) सरहुल मेला देखने के बाद रात में पल्सर बाइक में सवार होकर गेतलसूद से अपने घर कुज्जू लौट रहे थे। भुसुर जंगल में तीखे मोड़ पर बाइक असंतुलित होकर पेड़ से टकरा गई। तत्काल लोगों के सहयोग से तीनों घायल को एम्बुलेंस से रिम्स ले जाया गया। जहां ईलाज के दौरान बबलू बेदिया और संदीप करमाली की मौत हो गई। सिकिंदिरी थाना कि पुलिस ने बाइक को जब्त कर लिया है। युवकों ने हेलमेट नहीं पहना था।

विक्षिप्त युवक ने पेड़ में फांसी लगाकर दी जान

अमराड़ा। सिकींदिरी थाना क्षेत्र के सारुबेड़ा गांव में एक विक्षिप्त युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना गुरुवार देर रात कि है। मृतक संदीप गंडू (17) स्व सावना गंडू का पुत्र था। घटना के संबंध में मृतक कि मां और उसके चाचा रामजीत गंडु ने बताया कि संदीप मानसिक रूप से विक्षिप्त था। इससे पहले भी उसने जान देने कि कोशिश की थी। गुरुवार की रात धोती का फंद बनाकर घर के बाहर पेड़ में झूलकर अपनी जान दे दी। थाना प्रभारी दीपक कुमार सिन्हा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्म हत्या का लगता है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है।

वन विभाग ने मृतक के परिजन को मुआवजा राशि का 50,000 रुपया सौंपा

अमराड़ा। सुरसू पंचायत के कुतुरलोवा निवासी स्व दुर्गाचरण बेदिया के की पत्नी लखिमनी देवी को वन विभाग ने शुक्रवार को मुआवजा राशि का 50,000 रुपया सौंपा है। शेष 3,50,000 रुपए कागजी करवाई के बाद सौंपी जाएगी। मालूम हो कि गुरुवार की रात सरहुल मेला देखकर पैदल घर लौट रहे दुर्गाचरण बेदिया(51) को कुतुरलोवा स्कूल के पास जंगली हाथी ने कुचलकर मार डाला था ।

चमघाटी में सरना प्रार्थना सभा का 20वां सरना झंडागड़ी कार्यक्रम



अनगड़ा। चमघाटी खिजरीटोली में सरना प्रार्थना सभा में शुक्रवार को 20 वां सरना झण्डागड़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि जल, जंगल व जमीन ही जीवन का आधार है। हमें अपनी भाषा, संस्कृति व सभ्यता को संरक्षित करना है। आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव पारसनाथ उरांव ने कहा सरना धर्म की वजह से आज मानव जाति सुरक्षित है, सरना धर्म में प्रकृति, जल, जंगल की आराधना किया जाता है। सरना मां प्रकृति व पेड़ पौधों में विराजमान है। जबतक प्रकृति संरक्षित है तक तक मानव जाति सुरक्षित है। मौके पर पूर्व मुखिया संध्या बांडों, धर्ममाता चारी उरांव, बंधु उरांव, सुखराम उरांव, प्रेम उरांव, सुनीता उरांव, जौरी देवी, दुलारी टोप्पो, सरिता उरांव, अनु उरांव, मंटू उरांव आदि उपस्थित थे।

नहाय-खाय अनुष्ठान के साथ चैती छठ शुरू, सोमवार को होगा महाव्रत का समापन



खूंटी। चार दिवसीय सुयार्पासना का महापर्व चैती छठ शुक्रवार को नहाय-खाय अनुष्ठान के साथ शुरू हो गया। व्रतियों ने पूरी शुद्धता के साथ अरवा चावल, चने की दाल और कढ़दू की सब्जी का प्रसाद ग्रहण किया। चैती छठ हो अथवा कार्तिक मास का छठ, दोनों में महाव्रत की शुरूआत कद्दू भात के साथ ही होता है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। शनिवार को व्रती दिन भर निर्जला उपवास रहकर शाम को खीर प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसे खरना अनुष्ठान कहा जाता है। खरना अनुष्ठान के बाद व्रतियों के 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाता है। इस वर्ष रविवार को सूर्यपंथी है और उसी दिन नदियों-सरोवरों में अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य प्रदान किया जायेगा। रविवार के दिन पहला अर्घ्य प्रदान करने को श्रद्धालु काफी शुभ मानते हैं। सोमवार 15 अप्रैल को उदयचल भगवान सूर्य को दूसरा अर्घ्य देने के साथ ही महाव्रत का समापन हो जायेगा। हालाँकि कार्तिक महीने में होनेवाले छठ व्रत की अपेक्षा चैती छठ करने वालों की संख्या काफी कम है, लेकिन कुछ घरों में ही इसका अनुष्ठान किया जाता है।

देसी पिस्टल के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

खूंटी। खूंटी थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शहर के तोरपा रोड स्थित खूंटी टोली बस्ती के पास छापामारी कर संदिग्ध अवस्था में घूम रहे बिरसा भेंगरा उर्फ एंथोनी भेंगरा को अवैध देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार बिरसा भेंगरा ग्राम गुड़गुड़ चुआं थाना तोरपा का निवासी है। उसके पास से पुलिस ने एक देसी पिस्टल और एक मोबाइल बरामद किया है। यह जानकारी खूंटी एसडीपीओ वरुण रजक ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया गया कि गुरुवार को गुप्त सूचना मिली कि एक युवक संदिग्ध अवस्था में खूंटी टोली बस्ती के पास घूम रहा है। संभवतः वह किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है। इस सूचना पर खूंटी थाना की पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंची और संदिग्ध अवस्था में घूम रहे उक्त युवक को पकड़ कर जब उसकी तलाशी ली, तो उसके कमर में खोसी अवैध देसी पिस्टल मिली। बताया गया कि गिरफ्तार आरोपित का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध जिले के तोरपा और मुरहू थाना में हत्या, आर्म्स एक्ट, 17 सीएलए एक्ट सहित अन्य संगीन धाराओं में कुल 17 मामले दर्ज हैं। इनमें से 10 मामले तोरपा थाने में और सात मामले मुरहू थाने में दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

भुसूर जंगल में दो बाइक के टक्कर से युवक घायल

अनगड़ा। सिकिंदिरी थाना क्षेत्र के भुसूर जंगल में दो बाइक कि सीधी टक्कर होने से एक बाइक सवार युवक घायल हो गया। बेहोश होने के कारण युवक का नाम पता नहीं चल सका है। घटना शुक्रवार कि शाम करीब चार बजे कि है इस दौरान उधर से गुजर रहे भाजपा नेता जैलेन्द्र कुमार ने ग्रामीणों के सहयोग से घायल युवक को ईलाज के लिए एम्बुलेंस से रिम्स भेज दिया है। बताया जाता है कि युवक अपने बाइक (जएच 24एल 1389) से गेतलसूद से ओरमाझी कि ओर जा रहा था। इसी दौरान घटना घटी।

अपने कर्तव्यों का जिम्मेवारीपूर्वक निर्वहन करें अधिकारी-कर्मचारी: लोकेश कुमार



खूंटी(हि.स.)। लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 के निमित गठित सभी कोषांग के कार्यों की जिला निवाचीं पदाधिकारी सह उपायुक्त ने गुरुवार को समीक्षा की। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी लोकेश मिश्रा ने प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने कर्तव्यों का जिम्मेवारीपूर्वक निर्वहन करें। निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। साथ ही कलस्टर, मतदान केन्द्रवार मूलभूत सुविधाएँ, मतदान केन्द्रवार रूट चार्ट, मैप, वाहनों की उपलब्धता, कम्प्युनिकेशन प्लान, मतदान कर्मियों की रहने की सुविधा से जुड़े से बिंदुओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। समीक्षा के क्रम में सी

सरहुल पर्व पर प्रकृति की आराधना कर मांगी सुख-समृद्धि, शोभायात्रा आज



नवप्रदेश संवाददाता

बेड़ो: बेड़ो प्रखंड मुख्यालय स्थित बड़ा व छोटा सरना स्थल पर शुक्रवार को ग्रामीण महिला और पुरुषों ने विधि पूर्वक पारंपरिक रीति- रिवाज से सरहुल पूजा अर्चना की। इसके पश्चात लोगों ने क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि की कामना की। जहाँ गांव के बुधवा पहान, पंचम पुजार, राकेश भगत, अनिल उरांव ने सरना स्थल पर

प्रधानमंत्री के चार सौ पार के लक्ष्य को पूरा करें कार्यकर्ता: कोचे मुंडा



खूंटी(हि.स.)। भाजपा गाँवदंपुर मंडल की कोर कमेटी की बैठक का आयोजन शुक्रवार को मंडल अध्यक्ष रामध्वन सिंह की अध्यक्षता में जह्दार में किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में तोरपा के विधायक और खूंटी लोकसभा संयोजक कोच मुंडा उपस्थित थे। जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता, जिला प्रभारी सत्यनारायण सिंह, विधानसभा प्रभारी अरुण चंद्र गुप्ता, विधानसभा संयोजक शशांक शेखर राय, सह

संयोजक विनोद भगत, जिला महामंत्री विनोद नाग, जिला उपाध्यक्ष कैलाश महतो, वरिष्ठ जनसंघी भाजपा नेता विनोद सोनी, शिवशंकर मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि सभी कार्यकर्ता बूथ स्तर तक पहुंचें और इस चुनाव में अपने प्रत्याशी अर्जुन मुंडा को भारी मतों से विजयी बनायें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लक्ष्य अबकी बार 400 पार को पूरा करें।

जरीडीह प्रखंड के बीस मतदान केंद्रों पर वोट प्रतिशत बढ़ाने पर जोर

नव प्रदेश संवाददाता

बोकारो : बोकारो के जरीडीह में 20 मतदान केंद्रों पर मतदान का प्रतिशत उन्नीस ना हो,इस पर जिला प्रशासन अपना होमवर्क कर रहा है। बोकारो की उपायुक्त और जिला निर्वाचन पदाधिकारी विजया जाधव ने जरीडीह प्रखंड के उन 20 मतदान केंद्रों के ऐसे 20 बूथ पाए गये थे, जहां पिछली बार मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहा था। वर्ष 2019 में गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के जरीडीह प्रखंड के ऐसे 20 बूथ पाए गये थे, जहां हैं मतदान का प्रतिशत कम था। इसी पर ध्यान आकर्षित करते हुए प्रखंड के सीओ प्रणव त्रस्तुराज और प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने बूथ अवेयरनेस ग्रुप के जरिए सभी शिक्षक ,सभी वीएलओ ,ब्लॉक के कर्मियों को विशेष टास्क दिया है। इस ग्रुप का मुख्य उद्देश्य है कि क्षेत्र में वोटिंग के लिए लोगों को जागरूक करना, मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करना। पिछले 2019 के चुनाव में देश के औसत



मतदान प्रतिशत से भी पिछले लोकसभा चुनाव में यहां के 20 बूथों में कम मतदान हुआ था। इस बार के लोकसभा चुनाव में प्रशासन ऐसे सभी मतदान केंद्रों में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने की चुनौती ली है। प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने बताया कि स्वयं के साथ अन्य माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सीओ त्रस्तुराज ने बताया कि इसके तहत बूथ लेवल एवरेज ग्रुप बनाए गए हैं इस कार्यक्रम के तहत ब्ू के माध्यम से छूटे हुए मतदाताओं का नाम सूची में जोड़ने नए मतदाताओं का नाम सूची में दर्ज कर वोट देने के लिए प्रेरित करना बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं को चिन्हित कर मतदान के लिए प्रेरित करना है। पिछली बार

जानकारी ली। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग से उनके कोषांग से संबंधित जारी किए गए मैनुअल को अच्छी तरह से पढ़ लेने एवं कार्यों के दौरान निर्वाचन आयोग से जारी सभी दिशा निदेशों के अनुपालन का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी कोषांग के कार्यों की समीक्षा की, इनमें कार्मिक कोषांग एवं गठित मेडिकल बोर्ड को आवश्यक निर्देश दिए।

791 मतदान अधिकारी तृतीय को दिया गया चुनाव संबंधी प्रशिक्षण

खूंटी। लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर बिरसा कॉलेज, खूंटी मतदान अधिकारी तृतीय के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 791 मतदान अधिकारी तृतीय शामिल हुए। उन्हें मतदाओं से मतदान पर्ची प्राप्त कर अमिट स्वाही का अवलोकन करने के बाद इवीएम की कंट्रोल यूनिट का बटन दबाकर मतदान कराने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। मतदान अधिकारी तृतीय को पीपीटी के माध्यम से निर्वाचन की प्रक्रिया की सम्पूर्ण जानकारी दी गई। मॉक पोल, सिलिंग और वास्तविक मतदान, मतदान समाप्ति एवं पैकेटिंग से संबंधित प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण के दौरान इवीएम, वीवीपैट द्वारा मतदान की संपूर्ण प्रक्रियाओं से अवगत कराने के पन्चा इवीएम, वीवीपैट का हैंडस ऑन कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षण कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक, आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप सहित अन्य पदाधिकारियों की देखरेख में 30 मास्टर ट्रेनरों ने प्रशिक्षण दिया ।

सरहुल मिलन समारोह का आयोजन प्रकृति से प्रेम करना सिखलाता है सरहुल : अमर उरांव



नवप्रदेश संवाददाता

रातू। लहना पंचायत के बेलांगी स्टेडियम मे शुक्रवार को सरहुल मिलन समारोह का आयोजन किया गया। पांच टोलो का सरहुल जुलूस मखमंदरो अखरा मे पूजा पाठ कर व पांच टोलो लहना, मखमंदरो, काटू, बुरजु, मुरगू गांव का भ्रमण कर बेलांगी स्टेडियम पहुंच कर समापन हुआ। इससे पूर्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमर उरांव ने कहा कि प्रकृति से प्रेम करना हमें सरहुल ही सिखाता है। आज हमें जल,जंगल,जमीन को बचना है जिसे हम आदिवासी आगे आकर बचा रहे है।सरना विकास समिति

श्रद्धा सरना समिति गेतलसूद का सरहुल मिलन समारोह



सम्मानित किया गया। गेतलसूद, बनादाग, बीसा, जरारटोली, करंजटोली, लेंभाटोली, परासटोली, सोसो, चमघटी सहित अनेक जगहों से खोरहा टीमें शामिल हुईं। सभी को सम्मानित किया गया। राजेश कच्छप ने कहा कि हम आदिवासी प्रकृति पूजक है। और यही विश्वास प्रकृति को संरक्षित रखने के काम आती है। हमें अपने परंपरा व विश्वास को बनाये रखने के लिए एकजुट होना होगा।

नहीं रहे रामनवमी महासमिति खूंटी के पूर्व अध्यक्ष जानकी साहू

खूंटी(हि.स.)। केंद्रीय रामनवमी महासमिति खूंटी के पूर्व अध्यक्ष और समाजसेवी जानकी प्रसाद साहू (78) का शुक्रवार सुबह लगभग 10 बज्ी रोड खूंटी स्थित

खूंटी की रामनवमी, दुर्गा पूजा सहित शहर के भगत सिंह चौक में होनेवाले सभी प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में हमेशा से अग्रणी भूमिका निभाने वाले जानकी साहू के निधन का समाचार फैलते ही लोगों में शोक की लहर फैल गई। इस दुःखद समाचार को सुनकर कई लोग उनके मकान में पहुंचे और अपनी संवेदना व्यक्त की।

बताया गया कि 78 वर्ष के इस आयु में भी वे लगभग पूरी तरह से स्वस्थ थे और अपना हर काम स्वयं से कर लेते थे। एक दिन पूर्व गुरुवार को जब वे भगत सिंह चौक स्थित अपने पुत्र की दुकान में बैठे थे, तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी। शुक्रवार सुबह स्वजन उन्हें इलाज के लिए रांची ले जाने की तैयारी कर ही रहे थे , इसी दौरान

घर में ही उन्होंने अंतिम सांस ली।

अन्य राज्यों में रहने वाले स्वजनों के आने के बाद उनका अंतिम संस्कार शनिवार को पूर्वाह्न तजना सुक्ति धाम खूंटी में किया जाएगा। उनके निधन पर केंद्रीय मंत्री सह सांसद अर्जुन मुंडा, पूर्व सांसद कड़िया मुंडा, खूंटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, तोरपा विधायक कोचे मुंडा, विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो, सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, केंद्रीय रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष ज्योतिष भगत, महामंत्री जितेंद्र कश्यप, भोलानंद तिवारी, महेंद्र भगत, रमेश मांझी, राधेश्याम गोप, विनोद जायसवाल सहित कई लोगों ने संवेदना व्यक्त की है।

एक नजर

इंद्र-तपेश्वर सिंह महिला कॉलेज में 480 छात्राओं की होगी नमांकन

पहले आओ--पहले पाओ की तर्ज पर इंटर में होगा नमांकन नवप्रदेश प्रतिनिधि बिक्रमगंज। बिक्रमगंज के इंद्र-तपेश्वर सिंह महिला कॉलेज मे 480 छात्राओं की इंटर मे सत्र 2024-26 के लिए होगी नमांकन। कॉलेज सूचों से मिली जानकारी अनुसार मैट्रिक उतीर्ण छात्राओं का सत्र 2024-2026 में नामांकन के लिए बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना द्वारा ओएफएसएस के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन लिया जा रहा है। इस वर्ष बिहार विद्यालय परीक्षा समिति पटना द्वारा कुछ कॉलेजो का मान्यता रद्द कर दिया है। ओएफएसएस पोर्टल पर से नाम हटा दिया है। केवल स्कूल का नाम दिखा रहा है। कॉलेज की सूची में इंद्र तपेश्वर सिंह महिला कॉलेज बिक्रमगंज का नाम है। अनुमंडल मुख्यालय का एकमात्र गौरवपूर्ण संस्थान जिसे निदेशक शैक्षणिक, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति पटना द्वारा सत्र 2024- 2026 से 480 सीट की वृद्धि दी गई है। जो की अभी रोहतास जिला के किसी भी स्कूल कॉलेज को इतना सीट प्रदान नहीं किया गया है। प्राथमिकता देते हुए नामांकन करावे। यहाँ उच्च कोटि के शिक्षको के द्वारा उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान की जाती है। उक्त आशय की जानकारी प्राचार्य शशि रंजन कुमार ने दी।

अजीत कुमार अजीत बने जदयू के प्रदेश प्रवक्ता, लोगो मे हर्ष व्याप्त

नवप्रदेश प्रतिनिधि बिक्रमगंज। बिहार प्रदेश जद यू ने संजौली निवासी अजीत कुमार को प्रदेश प्रवक्ता मनोनीत किया है। अजीत कुमार के मनोयन से पार्टी कार्यकर्ताओं सहित एनडीए में हर्ष व्याप्त है। कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अजीत कुमार सोशल विचारधारा का एक होनहार छात्र है। उसके प्रदेश प्रवक्ता के रूप में मनोयन से पार्टी के साथ-साथ एनडीए गठबंधन को मजबूती प्रदान होगी। पूर्व मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा, काराकाट लोकसभा सदस्य महाबली सिंह, पूर्व विधायक वशिष्ठ सिंह, आर एल एम व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अनन्त कुमार गुप्ता, जद यू प्रखण्ड अध्यक्ष राजेश कुमार, संजय वर्मा, जद यू नेता धनञ्जय सिंह, उमेश कुमार, मनोज कुमार, लव मिश्र, रामबाबू सिंह, चिंतामणि सिंह, राजेन्द्र चौधरी, सचिंचदानंद सिंह, गिरजा सिंह, सूर्य चौधरी, शिक्षक बंशीधर सिंह, अभिषेक पटेल, अशोक कुमार, सन्तोष कुमार, मंतोष कुमार आदि कई लोगो ने हर्ष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार को बधाई दिया है।

शिव कुमार पुजारी बने युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

नवप्रदेश प्रतिनिधि बेतिया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी युवा के बेतिया पश्चिमी चम्पारण जिला अध्यक्ष शिव कुमार पुजारी के बनने पर कार्यकर्ताओं के फूल माला पहना कर जश्न मनाया तथा कांग्रेस नेता एयम बेतिया के पूर्व विधायक मदनमोहन तिवारी ने भी शुभकामनायें और बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि शिव पुजारी कांग्रेस के सच्चे सिपाही है और उन्हें यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष बनने से कमिटी और मजबूत होगी क्योंकि उनका युवाओं में विशेष पकड़ है। साथ ही चमपटिया के पूर्व विधायक प्रत्याशी अभिषेक रंजन, कांग्रेस कमिटी के जिला अध्यक्ष भरत वृष्ण दुबे, कांग्रेस नेता शास्वत केदार, सहित दर्जनों नेताओं ने बधाई दी है और उनके राजनीतिक भविष्य की मंगलकामना की। वही जिला अध्यक्ष शिव कुमार पुजारी ने सभी कार्यकर्ताओं एवं विधायक और सांसद साथियों का धन्यवाद जापन करते हुए कहा कि चम्पारण जिला सहित पूरे बिहार में कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया जायेगा। जल्द से जल्द जिला कमिटी का गठन करके सभी प्रखंड में यूथ कांग्रेस का गठन किया जायेगा और लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को मजबूत करने के लिए बूथ स्तर पर तक काम किया जा रहा है तथा जिला से प्रदेश तक के विश्वास पर खरे उतरने का प्रयास करेंगे।

निर्वाचन कर्तव्य पर योगदान नहीं देने वाले गृह रक्षकों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई

नवप्रदेश प्रतिनिधि बेतिया। जिला समादेश, गृह रक्षक द्वारा बताया गया है कि चुनाव कर्तव्य में गृहरक्षकों की प्रतिनिधुक्ति, अग्रिम एवं अंतिम भत्ता भुगतान, अन्तर्जिला आवागमन आदि कार्य के सम्पादन हेतु वैतनिक कर्मियों एवं गृहरक्षकों में उच्च स्तर का अनुशासन बनाये रखना अनिवार्य होगा। जो गृहरक्षकों निर्वाचन कर्तव्य हेतु कॉल-अप के बाद भी प्रतिनिधुक्ति के लिए आगमन नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध सेवामुक्ति की कार्रवाई के साथ ही बिहार गृह रक्षा वाहिनी, अधिनियम 1947 की धारा 10 (1) (ए) (2) के तहत कानूनी कार्रवाई की जायेगी। यह अपराध संज्ञेय है तथा दोष सिद्ध होने पर तीन माह तक कैद या अर्थदण्ड सहित कैद की सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही ऐसे गृहरक्षकों के विरुद्ध जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के सम्बंधित धाराओं के अन्तर्गत भी कार्रवाई की जायेगी।

ईद पर्व पर ईदगाह में सभी इस्लाम धर्मावलंबीयो ने नमाज अदा कि और एकदूसरे को गले लगा कर दी गई मुबारकबाद

नवप्रदेश प्रतिनिधि बगहा। पतिलार पंचायत में पूरे सामाजिक सौहार्द के साथ मिलजुल कर ईद पर्व मनाया गया जिसमे सुबह सुबह पतिलार स्थित ईदगाह में सभी इस्लाम धर्मावलंबीयो ने नमाज अदा कि और एकदूसरे को गले लगा कर मुबारकवाद दी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि डॉ अभिषेक मिश्रा ने ईदगाह में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ रहकर पूरे व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रखे ताकि कोई किसी तरह की समस्या और असुविधा नहीं हो उन्होंने बताया की आस पास के 3 पंचायत के इस्लाम धर्म को मानने वाले लोग हमारे वहां के ईदगाह में आते है और ईद की नमाज अदा करते है यहां ईदगाह बड़ा होने और भौगोलिक दृष्टि से बीच में होने से बहुत बड़ी संख्या में लोग आते है और बड़े स्तर पर मेला भी लगता है साथ ही सभी धर्म के लोग बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है और पूरे सामाजिक सौहार्द के साथ ईद मानते है और एक दुसरे को मिठाईयां भी खिलाते है मुखिया पायल मिश्रा ने बताया की ईदगाह के चारदीवारी के लिए एक ज्ञान जिलाधिकारी और माननीय मंत्री महोदय को भी दे दी गई है चारदीवारी हो जाने से ईदगाह सुरक्षा के दृष्टि से बेहतर हो जायेगा वही मौके पर अभय उपाध्याय चौतरवा थाना के थाना प्रभारी ज्योति पूंज अपने पुलिस बल के साथ तैयार रहे ।

नहाय थाय के साथ छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान शुरू

नवप्रदेश प्रतिनिधि अगिआंव। लोक आस्था से जुड़े महापर्व चैती छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान शुक्रवार को नहाय खाय के साथ शुरू हुआ। इस दौरान परम्पराजुसार छठ रीति्यों ने जलशयों में पवित्र स्नान कर विधि विधान से पूजा अर्चना की और अरवा चावल व कद्दू से बने सात्विक भोजन कर छठ पूजा के लिए आवश्यक तैयारी शुरू कर दी। इस दौरान छठ के पारंपरिक गीत कांच ही बांस के बहिया, बहंगी लचकत जाय केरवा के पांते पे उलेले सुकून देव .. से पूरा वातावरण गूंजयमान हो उठा। इधर स्थानीय बाजारों में छठ महापर्व को लेकर पत्तों व पूजा सामग्रियों की दुकानें सज गईं । जहां लोग खरीदारी के लिए पहुंचने लगे। पैरो अनुमंडल मुख्यालय से सटे बहरी महादेव धाम स्थित प्राचीन सूर्य मंदिर व पोखरे के आसपास छठ व्रती अपना स्थान सुश्रूषित कराने के लिए तयार दिखाई दिए। यहां दूर दूर से छठ व्रती भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के लिए पहुंचते हैं। इस बात को ध्यान में रखकर मंदिर प्रबंधन द्वारा छठव्रतियों के लिए पहले से ही स्थान सुश्रूषित किया जाता है। वैसे पूरे इलाके में छठ को लेकर चहल पहल बढ़ गई है।

चाचा ने अपनी ही नाबालिग भतिजी के साथ किया दुर्कर्म
नवप्रदेश प्रतिनिधि बेतिया।
कुमार बाग ओपी थाने क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिक लड़की के साथ उसके ही चाचा ने दुर्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया इस संबंध में लड़की के परिजन में स्थानीय महिला थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है जिस पर पुलिस ने दुर्कर्मकी चाचा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है वहीं बच्ची को पुलिस अभिरक्षा में भेड़कल जांच कराई गई है इस संबंध में सदर एसडीओ विवेक कुमार ने बताया कि लड़की को मुजफ्फरपुर से आई फोरेंसिक टिम से मेडिकल जांच कराया गया है रिपोर्ट आने पर ही पता चलेगा की लड़की के साथ दुर्कर्म हुआ है।

देश का संविधान बचाने के लिए महागठबंधन को दें वोट : तेजस्वी यादव

नवादा। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को नवादा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश का संविधान बचाने के उद्देश्य तथा बिहार के विकास के लिए लोकसभा चुनाव में महागठबंधन उम्मीदवार श्रवण कुशवाहा को वोट दें। ताकि बिहार का बेहतर विकास हो सके। नवादा के आईटीआई मैदान में महागठबंधन की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि 56 इंच का सीना रखने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने विकास की गारंटी दे रहे हैं। लेकिन



वह मेरे पलटू चाचा की गारंटी नहीं दे सकते कि वे उन्हें रख पाएंगे या नहीं। जो नेता इतना कमजोर हो उसकी गारंटी पर क्या भरोसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की

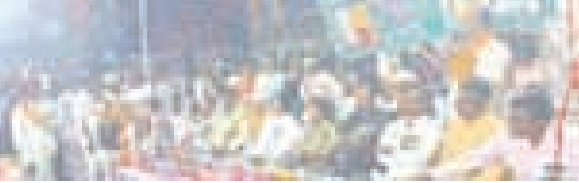
सरकार में 17 महीने तक हमने साथ रहकर पांच लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी। अगर अब तक हम साथ रहते तो 10 लाख लोगों को निश्चित तौर पर नौकरी देते। जो काम अधर

में लटक गया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार मेरे साथ होने के पहले नौकरी देने में क्यों अक्षम सिद्ध हो रहे थे। उन्होंने कहा कि इस बार अगर राजग की सरकार बनी तो संविधान को ही बदलने का प्रयास किया जाएगा। जो देश हित में बिल्कुल गलत होगा। उन्होंने कहा कि नवादा लोकसभा क्षेत्र को भाजपा वालों ने प्रयोगशाला बनाकर रखा है। हर बार बाहरी उम्मीदवार भेज कर नवादा वासियों को छलने का काम करते हैं। महागठबंधन के श्रवण कुशवाहा नवादा का बेटा है। इसे वोट देकर भारी मतों से विजय बनावे। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी सर्वजात

,सर्वधर्म की पार्टी है। यहां किसी से कोई भेदभाव नहीं है। इसलिए हम समाज का चौमुखी विकास चाहते हैं।अगर बिहार का चौहुमुखी विकास चाहिए तो निश्चित तौर पर महागठबंधन को वोट दें। मौके पर पूर्व मंत्री मुकेश साहनी ने कहा कि झूठ फरेब के चक्कर में पड़ने की जरूरत नहीं है। महागठबंधन प्रत्याशी श्रवण कुशवाहा को वोट देकर भारी मतों से विजय बनाएं।तभी बिहार का विकास संभव है।उन्होंने कहा कि जुमलेबाजी के चक्कर में आज तक आपका नुकसान हुआ है।अगर इस बार आप वोट दिए तो संविधान बदलकर

आपकी आजादी भी छीन ली जा सकती है। तेजस्वी यादव ने नवादा लोकसभा क्षेत्र के राजद प्रत्याशी श्रवण कुशवाहा को माला बनाकर जीत के लिए उपस्थित जनसमूह से आशीर्वाद दिलाया। इस अवसर पर श्रवण कुशवाहा ने तेजस्वी यादव का स्वागत करते हुए हर मुकाम पर खरा उतरने की बात कही। इस अवसर पर राजद के प्रांतीय प्रवक्ता पूर्व विधायक शक्ति सिंह यादव, हिसुआ के कांग्रेस विधायक नीतू सिंह ,गौतम कुमार चंद्रवंशी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए महागठबंधन की जीत सुनिश्चित कराने की बात कही।

ज्योत से ज्योत जगाते चलो प्रेम की गंगा बहाते चलो



नवप्रदेश प्रतिनिधि डेहरी। भाईचारे के पर्व ईद के अवसर पर कामयाब मिललत कमेटी द्वारा डेहरी बाजार में ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर के गणमान्यजन उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने डेहरी नगर को एक आदर्श नगर की संज्ञा देते हुए कहा कि यह शहर भाईचारे की एक मिसाल है। यहां सभी धर्म के पर्व सभी समुदाय के लोग मिलकर मनाते हैं। वक्ताओं ने भारत को माता कहकर संबोधित किया। कहा कि जिस देश में हमारा जन्म हुआ है उसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। वक्ताओं ने अभिभावकों से अनुरोध किया कि वह अपने बच्चों को संस्कार सिखाएं जिससे वह अपने देश व अपने माता-पिता सहित पड़ोसियों के भी काम आए।अध्यक्षता कमेटी के अध्यक्ष पीर मोहम्मद राइन ने की। समारोह को भाकपा माले के लोकसभा प्रत्याशी राजाराम सिंह, अशोक सिंह ,जदयू के नेता डॉक्टर निर्मल कुशवाहा ,जदयू जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा, मुख्य पार्षद शशि कुमार, मुख्य पार्षद प्रतिनिधि गुड्डू चंद्रवंशी, असलम कुरेशी ,आजाद हुसैन, पार्षद मुजिबुल हक, आनंद चौधरी ,सोनु चौधरी राजद के धनंजय यादव भी आईपी नेता लल्लू चौधरी मुनालाल कशेरा, अख्तर अंसारी, आदि ने वक्ताओं के रूप में ईद की मुबारकबाद दी।

कवई गांव के बच्चों का नवम वर्ग में नामांकन नहीं होने से नाराज है अभिभावक व बच्चे

नवप्रदेश प्रतिनिधि सूर्यपुरा। प्रखंड अंतर्गत शिवो बाहर पंचायत के बलिराम भगत उच्च विद्यालय कवई, गोशलडीह में पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 9 बजे ही गांव के अभिभावकों संग आठवीं पास बच्चों ने नवम वर्ग में नामांकन कराने को लेकर विद्यालय के गेट पर ताला बंद कर छात्र-छात्राओं ने घंटो जमकर बवाल काटा. वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं बीडीओ वीणा पाणि एवं थाना के एसएसआई दीप प्रकाश के पहल पर अभिभावक एवं बच्चों को समझा कर विद्यालय का ताला खोला. दीगर मझौली निवासी ग्रामीण अभिभावक ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि नए सत्र 2024- 25 के लिए नवी वर्ग में कवई एवं दिगर मझौली गांव के छात्र-छात्राओं का नामांकन नहीं किया जा रहा है. जबकि इसके पूर्व में प्रत्येक वर्ष बलिराम भगत उच्च विद्यालय के पोषक क्षेत्र के कवई, दिगर मझौली सहित कई अन्य गांव



के बच्चों का नवी वर्ग में नामांकन लिया जाता था। वहीं वर्ष 2024 में उक्त गांव के बच्चों का नवी वर्ग में नामांकन नहीं किया जा रहा है .जिसके कारण बच्चे एवं अभिभावकों में काफी असंतोष व्याप्त है. इस संबंध में पूछने पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजीत कुमार कौशल ने बताया कि विभागीय निदेशानुसार वर्ष 2024 में पंचायत में अवस्थित स्थानीय विद्यालय में पंचायत क्षेत्र के बच्चों

का ही नवी वर्ग में नामांकन करने का आदेश प्राप्त हुआ है. जिसके कारण पंचायत क्षेत्र के बाहर के बच्चों का नामांकन नहीं लिया जा रहा है. वहीं पंचायत के मुखिया भागीरथी सिंह ,सरपंच अशोक कुमार सिंह, पंचायत समिति सदस्य अंजू देवी ने बताया कि उक्त विद्यालय पंचायत क्षेत्र के कवई एवं दिगर मझौली मौजा में ही अवस्थित है .फिर भी पंचायत के बच्चों का नामांकन उत्क्रमित उच्च विद्यालय

शिवोबहार में करने के लिए कहा जा रहा है .जबकि दोनों गांव के बच्चों को सामान्य दिनों में 10 किलोमीटर की दूरी तय करके अध्ययन करने के लिए जाना पड़ेगा. वहीं बरसात के दिनों में उफनती काव नदी से होकर बच्चों को आने-जाने में बराबर खराब बना रहेगा. इस संबंध में बीआरसी के लेखा सहायक सुभाष कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की मांग पत्र प्राप्त हुआ है.इसके लिए आवेदन प्राप्त हुआ है बच्चों एवं अभिभावकों की सुविधा का ख्याल रखते हुए आवेदक को अग्रसारित कर जिला कार्यालय में भेजा जा रहा है. मौके पर अभिभावक कृष्णकांत कुमार, डॉ धनजी सिंह, पूर्व उप सरपंच विजयमल सिंह, भीम सिंह, सुरेश सिंह, जनेश्वर राम, छात्रा निशा कुमारी, खुशबु कुमारी पूजा कुमारी, निशु कुमारी, ज्योति कुमारी, अलख निरंजन, संजीत कुमार चंदन कुमार सहित दर्जनों छात्र-छात्रा मौजूद रहे।

प्रशांत किशोर का सीएम पर हमला कहा हिम्मत है तो नीतीश कुमार बिना सरकारी अमला और सुरक्षा के बिहार के किसी एक गांव में पैदल चलकर दिखा दें



नवप्रदेश प्रतिनिधि पटना। जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जोरदार सियासी हमला बोलते हुए कहा कि आज स्थिति यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके शासनकाल के लिए लोग अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। प्रशांत किशोर ने दावा करते हुए कहा कि नीतीश कुमार बिहार के किसी गांव में बिना सुरक्षा और सरकारी अमला के पैदल नहीं चल सकते। आज बिहार में अफसरशाली, भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। बिना पैसा दिए एक काम नहीं होता है। उन्होंने कहा कि अगर लालू प्रसाद का शासनकाल 'अपराधियों का जंगलराज' था तो नीतीश कुमार का शासनकाल 'अधिकारियों का जंगलराज' है। बिहार की बदहाली का जिक्र करते हुए

बताया कि जिन गांवों और पंचायतों में जाने का मौका मिला है, वहां पलायन की समस्या बहुत बढ़ी है। **बिहार के गांव में आज 60 प्रतिशत युवक नहीं हैं: प्रशांत किशोर** गांवों में 60 प्रतिशत तक नवयुवक नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार के शासनकाल की सबसे बड़ी नाकामी है बिहार में शिक्षा व्यवस्था का ध्वस्त हो जाना। बिहार में भूमिहीनों की समस्या को जिक्र करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में गरीबी और बेरोजगारी का सबसे बड़ा कारण है बड़ी संख्या में भूमिहीनों का होना। आंकड़ों के मुताबिक बिहार में 58 फीसदी लोग भूमिहीन हैं जबकि देश में भूमिहीनों की संख्या 38 प्रतिशत है।

लोकसभा चुनाव का बड़ा मुद्दा सड़क दो विधानसभा सरहद भी दशार्ता

ननउर बरुणा जर्जर सड़क निर्माण के लिए तरस रहे क्षेत्रीय ग्रामीण जर्जर सड़क रहने के कारण अप्राधियो द्वारा हमेशा लुटपाट छिनतई होती है

छः किलोमीटर लम्बी ग्रामीण सड़क पिछले चार वर्षों से जर्जर

सरहद क्षेत्र वाले तरारी विधायक सुदामा प्रसाद भी हैं महागठबंधन के प्रत्याशी

नवप्रदेश आरा। लोक सभा का चुनाव आ गया, मतदाताओं के शरण में नेताओं के पहुंचने का समय आ गया है। मतदाताओं को भगवान मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सहयोग मांगा जाएगा। बड़ी बड़ी गाड़ियों के काफिले में बैठ कर मतदाताओं के पास पहुंचा जाएगा। फिर से पंचायत और गांव के विकास की मुड़े उठेगा। दावे भी मतदाताओं से एक से बढ़कर एक किया जाएगा। मगर पंचायत एवं गांव के विकास की समस्या वहीं



का वहीं मिलेगा। ननउर बरुणा सड़क अगिआंव व तरारी विधानसभा के सरहद पर स्थित है। जो पुरी तरह गट्टे में तब्दील हो गया है।ननउर बरुणा सड़क के किनारे बसे ग्रामीणो का सबसे महत्वपूर्ण समस्या ननउर से बरुणा तक की 06 किलोमीटर लम्बी जर्जर सड़क की समस्या पिछले चार वर्षों से मुंह बाए खड़ी है। हल्की बर्षा होने पर इस सड़क पर पैदल चलना भी दुभर हो जाता है। इस ननउर बरुणा सड़क के दोनों ओर, एक दर्जन गांवों में लगभग 50 हजार आबादी लगभग हजारों परिवार रहते है। इस ननउर बरुणा सड़क पर ननउर ,नादी, मोजन्फर पुर, बजरेया, बरुही ,सेंवथा, बरुणा सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थान मौजूद है। सभी लोगों को रात दिन ईसी सड़क पर आना जाना होता रहता है। जर्जर सड़क के कारण हमेशा ईस सड़क पर लुटपाट और छिनतई भी होता रहता है। ननउर बरुणा सड़क का

निर्माण लगभग बीस वर्ष पूर्व तत्कालीन केन्द्रीय मंत्री कांती सिंह के द्वारा कराया गया था। बाद में वर्ष 2020 में एक करोड़ 37 लाख रुपये से इस सड़क का मरम्ती कार्य कराया गया था। मगर वह सड़क मरम्ती कार्य कुछ ही दिनों में अवैध रूप से चल रहे बालू बहनों द्वारा उखड़ कर बर्बाद हो गया है। हालांकि क्षेत्र के लोगों का कहना है कि जहां की इस लोकसभा चुनाव में राजग के उम्मीदवार केन्द्रीय मंत्रीआर के सिंह है वहीं इस चुनावी महासंग्राम में महागठबंधन प्रत्याशी सरहद वाले स्थानीय विधायक सुदामा प्रसाद भी दंगल मैदान में आए हुए। पूर्व पंचायत समिति सदस्य नन्द कुमार सिंह उर्फ नन्दु सिंह ने कहा कि यह ननउर बरुणा सड़क दर्जनों गांवों का लाईफ लाईन है। इस बड़े बाजेट की सड़क का निर्माण कार्य स्थानीय सांसद या विधायक के द्वारा ही किया जा सकता है। करबासी पंचायत

मुखिया प्रतिनिधि अंशु सिंह ने कहा कि हम लोगों को जर्जर सड़क गट्टे में तब्दील हो गया है। जिसका निर्माण कार्य अति आवश्यक है। सामाजिक कार्यकर्ता बजरेया गांव निवासी - रौशन कुमार सिंह ने कहा कि हमारे द्वारा आरा सांसद सह माननीय केन्द्रीय उर्जा मंत्री राज कुमार सिंह को ईस सड़क का निरीक्षण कारया गया था। उन्होंने आश्वासन दिया था कि सड़क जल्द ही बनवा दें। बजरेया गांव निवासी- नरेंश्वर सिंह ने बताया कि हम लोगों का लोक सभा चुनाव में नन उर बरुणा सड़क मुख्य समस्या है। हम लोग मूठे किचड़ पंकी में घुस कर आने जाने पर मजबूर हैं। गौरी शंकर शर्मा ने बताया कि यह इस तरह के स्थानीय विधायकों के पहल से ही सड़कों का निर्माण या मरम्ती हो जाना चाहिए। छोटे-छोटे योजनाओं को प्रारूप तैयार धरातल पर उसे उतारना विधानसभा स्तरीय प्रतिनिधियों की अहम भूमिका होना चाहिए।



संपादकीय



सोशल मीडिया से पीढ़ी बर्बाद

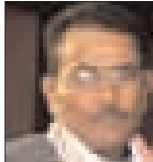
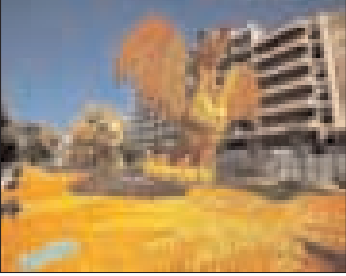
सोशल मीडिया ने पूरी एक पीढ़ी को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। इसने पूरी पीढ़ी को बर्बाद करने की जैसे सुगारि ले रखी है। आज का बच्चा 24 घंटे सोशल मीडिया में व्यस्त है। इसके कारण उसकी शारीरिक, मानसिक विकास तथा रचनाशीलता की हत्या हो रही है। सोशल मीडिया के कारण क्रिकेट को छोड़कर अन्य खेलों की गतिविधियां कम होने लगी हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लाइक्स के चक्कर में आज के युवा जान तक की बाजी लगा रहे हैं। ये युवा फुटपाथ पर गाड़ी चलाते हैं, सड़क पर गाड़ी को अचानक से मोड़ लेते हैं, शोर-शराबा करते हैं, खतरनाक स्टंट दिखाते हैं, बीच सड़क पर गाड़ी का दरवाजा खोलकर उसे रोकते हैं ताकि वीडियो बनाने के लिए अच्छा एंगल मिल सके। सोशल मीडिया पर फेमस होने के लिए देश के कई शहरों ये सुवा अजब-गजब हरकत कर रहे हैं। ऐसे लोग इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने फॉलोअर्स और वीडियो पर लाइक बढ़ाने के लिए बहुत रिस्की चीजें कर रहे हैं। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने ऐसे लोगों पर सख्ती दिखानी शुरू कर दी है, जो वीडियो बनाने के लिए कानून तोड़ते हैं। पिछले कुछ हफ्तों में ऐसे दर्जनभर से ज्यादा लोगों को पकड़ा गया है या उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस की जांच में पता चला है कि हाल की घटनाओं में एक परेशान करने वाला ट्रेंड सामने आया है, जिसमें 20-25 साल के युवा, जिनके अक्सर 1-2 लाख फॉलोअर्स होते हैं, वीडियो बनाने के लिए खास तरीकों से सोशल मीडिया के फीचर्स का इस्तेमाल करते हैं, ताकि लोगों का ध्यान खींच सकें। उनके बनाए हुए वीडियो में एक जैसी चीजें होती हैं - अजीब हरकतें, आकर्षक कैप्शन और तेज म्यूजिक। जितनी संख्या ये हाकत करने वाले युवाओं की है, उससे लाखों गुणा अधिक संख्या उनके दर्शकों की है। घर में बैठे-बैठे ये युवा दिनभर मोबाइल में वीडियो देखते रहते हैं। साथ ही, लाइक्स और कमेंट करते हैं। कहते हैं कि विज्ञान का यदि सदुपयोग किया जाये, तो यह वरदान है, लेकिन यदि इसका दुरुपयोग किया जाये, यह अभिषाप सिद्ध होता है। वैज्ञानिक खोजों में सोशल मीडिया एक पूरी पीढ़ी के लिए अभिषाप के रूप में सामने आयी है। स्मार्ट मोबाइल, लैपटॉप लेकर युवा अपना समय बर्बाद कर हैं। रचनाशीलता की ओर इनका ध्यान नहीं है। यह भी सही है कि इस युवा पीढ़ी का आईक्यू काफी बढ़ा है, लेकिन इस आईक्यू की दिशा इन्हें भटकाने वाली है। ये दिशा शून्य हैं। आज का वही युवा अपने पर्सनैदा क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, जिसने सोशल मीडिया से पूरी बना रखी है। सोशल मीडिया के नशे में चूर ये बच्चे अपने अभिभावकों की भी नहीं सुनते हैं। अपने देश में इसके उपयोग के लिए कोई कानून नहीं है। या कहें कि कानूनी रूप से कहीं कोई रोक-टोक नहीं है। इस कारण सोशल मीडिया पूरी तरह से आचारागर्दी कर रही है। युवाओं को सही दिशा देने के लिए, देश के लिए जिम्मेवारी नागरिक बनाने के लिए सोशल मीडिया के उपयोग की गाइड-लाइन तैयार करनी होगी। बच्चों का समय निर्धारित करना होगा, ताकि वे अपने लक्ष्य तय करें तथा उससे न भटकें।

सामयिकी

मैंटन के नीबू का हर शेफ दीवाना

पूनम बिष्ट

फ्रांस का मेंटन शहर अपने नीबू के लिए मशहूर, हर साल होता है लेमन फेस्टिवल यहां नीबू की ओर अक्सर लोगों का ध्यान तब जाता है जब गर्मियों के दिनों में यह बहुत महंगा हो जाता है। पर फ्रांस के मेंटन शहर में ऐसा नहीं। यह शहर ही मशहूर है अपने नीबुओं के लिए। यही वजह है कि हर साल यहां लेमन फेस्टिवल होता है जिसमें सुंदर-सुंदर झांकियां देखने को मिलती हैं : मेंटन शहर में लेमन फेस्टिवल की शुरुआत 1928 में ही हो गई थी। तब यह शहर पूरे यूरोपीय भूभाग में नीबू पैदा करने वाला मुख्य शहर था। उस दौर में एक होटलवाले को आइडिया आया कि क्यों न वह होटल के बगीचे में फूलों और नीबुओं की प्रदर्शनी लगाए। उसने ऐसा ही किया और यह इतना मशहूर हो गया कि अगले साल से सरकार ने इसे करवाने का बौद्ध उठा लिया। **आखिर ये सस्ते दाम पर बिकते हैं** : लेमन फेस्टिवल में शानदार कार्निवाल होता है जिसमें नीबुओं या संतरों से बनी तरह-तरह की आकृतियां शहर में घुमाई जाती हैं। इन आकृतियों को तैयार करने में ही 140 टन नीबू, संतरे आदि लग जाते हैं। आखिर में इन खट्टे फलों को सस्ते दाम पर बेच दिया जाता है। हर साल फेस्टिवल की थीम अलग होती है। हालांकि इन्में कोई भी मेंटन का नीबू नहीं होता। फेस्टिवल के लिए नीबू स्पेन से मंगाया जाता है। **इसलिए खास हैं यहां के नीबू** : इस इवेंट के जरिए यूरोप की लेमन कैपिटल के रूप में शहर की पहचान का भी जश्न मनाया जाता है। असल में मेंटन के नीबू अपनी तादाद के लिए नहीं बल्कि अपनी क्वालिटी के लिए मशहूर हैं। दुनिया भर के शेफ को यहां के नीबुओं की तलाश रहती है। इस कारण यह नीबू बहुत महंगा भी बिकता है। कहा जाता है कि मेंटन के नीबू की फैन लिस्ट में किंग लुई चौदवें भी थे। वह तो इसी नीबू का जूस पीते थे और इसी के तेल में नहाते थे। **आसानी से नहीं मिलते** : मेंटन का नीबू अपनी क्वालिटी के लिए मशहूर तो है मगर इसका उत्पादन बहुत अधिक नहीं। ऐसा इसलिए क्योंकि जिस इलाके में यह उगता है वहां ट्रिस्ट बहुत आता है जिस कारण होटल और विला लेने से बचने लगे और नीबू उगाने की जगह ही कम पड़ गई। एक अनुमान के मुताबिक, अब सिर्फ 56 छोटे उत्पादक ही बचे हैं जो मेंटन की वैरायटी पैदा करते हैं। हालांकि एक समय ऐसा था जब मेंटन की वैली में होटल, विला की बजाय चारों ओर नीबू के ही पेड़ हुआ करते थे। उन दिनों हर बीस दिन पर डेढ़ टन नीबू एक ही बगीचे से निकल आता था। हालांकि अब पूरे इलाके में 200 टन नीबू ही उगता है।



डॉ बुटन महली

आज विधि विधान से समाज के लोग भटक रहे हैं और साउंड पर नाचने लगे हैं, जो मूल संस्कृति के विरुद्ध है। एकता में एकरूपता नहीं दिख रहा है न ताल गीतों पर बजा पा रहे हैं न पर्वों के गीत गा रहे हैं। जो जैसा सक रहा है, साउंड सिस्टम से चल रहा है।

डॉ. बीआर आम्बेडकर वाकई भारत रत्न हैं। प्रख्यात मनीषी, संविधान सर्जक व श्रेष्ठ राष्ट्रनिर्माता। वे अद्वितीय थे, प्रेरक थे, अमर थे। उन्होंने भारतीय सार्वजनिक जीवन में हस्तक्षेप किया। उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और विचार आधुनिक राजनीति को भी लगातार प्रभावित कर रहे हैं। वे अपने जीवनकाल से ज्यादा आधुनिक काल में भी प्रभावी हैं। वर्तमान जैसे विद्यमान श्रीमान है। प्रखर राष्ट्रवादी हैं। डॉ. आम्बेडकर अपने समकालीन विद्वानों, राजनेताओं के मध्य श्रेष्ठ बुद्धिजीवी थे। राष्ट्रनिष्ठ और बहुपठित थे। वे भारतीय समाज संरचना के तर्कनिष्ठ आलोचक थे। उन्होंने ऋग्वेद सहित सम्पूर्ण प्राचीन भारतीय वाङ्मय पढ़ा। उपनिषद पुराण और स्मृति ग्रन्थ भी उनके प्रिय विषय रहे। उन्होंने प्राचीन इतिहास का गहन अध्ययन किया। मार्क्सवाद पढ़ा और भारतीय परिस्थितियों खासतौर से दिलीपों के लिए अनुपयोगी बताया। उन्होंने बहुचर्चित आर्य आक्रमण के सिद्धांत का प्रतिकार किया। भारतीय इतिहास बोध के प्रेमी उनके प्रिया रहेंगे। राजनीति ने जाति और शूद्र को भारतीय इतिहास का प्राचीन तत्व बनाया है। ब्रिटिश विद्वान व जातिवादी राजनीति का एक बड़ा धड़ा आर्यों को विदेशी हमलावर और शूद्रों को पराजित नस्ल बताता रहा है। डॉ. आम्बेडकर ने लिखा, यह धारणा गलत है कि आर्य आक्रमणकारियों ने शूद्रों को जीता। पहली बात तो यह कि आर्य भारत में बाहर से आए थे और उन्होंने यहां के मूल निवासियों पर आक्रमण किया, इस कहानी के समर्थन के लिए कोई भी प्रमाण नहीं है। भारत ही आर्यों का मूल निवास स्थान था, यह सिद्ध करने के लिए प्रमाण-सामग्री काफी बड़े परिमाण में है। आर्यों और दस्युओं में युद्ध हुआ, यह साबित करने के लिए कोई प्रमाण नहीं है। फिर दस्युओं का शूद्रों से कुछ लेना-देना नहीं है।ह्द (डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर राईटर्स एण्ड स्पीचर खण्ड 7 पृष्ठ 420) आर्यों को विदेशी मानने का झूठ अभी भी जारी है। डॉ. आम्बेडकर की पुस्तक 'हू वेयर शूद्रज (शूद्र कौन थे?) (1946) पठनीय है। उन्होंने एक विद्वान अधिक्ता की तरह पहले पाश्चात्य विद्वानों के विचार दिये हैं। उन स्थापनाओं को तर्क सहित गलत बताया है।



उन्होंने ऐसे विद्वानों की 7 मुख्य स्थापनाएं बनाई - 1. जिन लोगों ने वैदिक साहित्य रचा था, वे आर्य नस्ल के थे।2. आर्य नस्ल बाहर से आई थी और उसने भारत पर आक्रमण किया था।3. भारत के निवासी दास और दस्यु रूप में जाने जाते थे और ये आर्यों से नस्ल के विचार से भिन्न थे।4. आर्य श्वेत नस्ल के थे, दास और दस्यु काली नस्ल के थे।5. आर्यों ने दासों और दस्युओं पर विजय प्राप्त की।6. दस और दस्यु विजित होने के बाद दास बना लिए गए और शूद्र कहलाए।7. आर्यों में रंगभेद की भावना थी। इसलिए उन्होंने चातुर्वर्ण्य का निर्माण किया। इसके द्वारा उन्होंने श्वेत नस्ल को काली नस्ल से, यथा दासों और दस्युओं से अलग किया। (वही, खण्ड 7, पृष्ठ 65) इसके बाद सातों विचार बिन्दुओं की सभी स्थापनाओं को गलत बताया। ऋग्वेद के उद्धरण दिये और लिखा-इन (शब्दों) के प्रयोग देखने से निष्कर्ष यह निकलता है कि ये शब्द नस्ल के अर्थ में कहीं भी प्रयुक्त नहीं हुए (वही पृष्ठ 70) वे आर्यों को विदेशी बताने का तर्क काटते हैं, जहाँ तक वैदिक साहित्य का सम्बंध है, वह इस सिद्धांत के प्रतिकूल है कि आर्यों का मूल निवास भारत से कहीं बाहर था। (वही) आर्य विदेशी होते तो भारतीय नदियों को माता कहकर प्रणाम न करते। आर्य हम सबके पूर्वज थे। डॉ. आम्बेडकर ने रंग (वर्ण) भेद के आधार पर आर्यों और शूद्रों को अलग बताने वाली स्थापना को भी गलत बताया। उन्होंने ऋग्वेद

के तमाम उद्धरण दिये और लिखा, आर्य गौर वर्ण के थे और श्याम वर्ण के भी थे। अश्विनी देवों ने श्याव और रूक्षती का विवाह करवाया। श्याव श्याम वर्ण है, रूक्षती गौर वर्ण है। डॉ. अम्बेडकर की स्थापना है-इन उद्धरणों से ज्ञात होता है कि वैदिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं थी। ऋग्वेद के एक ऋषि दीर्घ तमस है, वे श्याम वर्ण के, और कण्व भी श्याम वर्ण के थे। आर्यों के दोनों अवतारी पुरुष श्रीराम व श्रीकृष्ण सांवल थे। महाभारत के प्रतिष्ठित योद्धा अर्जुन भी श्याम रंग के थे। समूचा आर्य समाज एक था। हिन्दू प्राचीन आर्य समाज की ही नई संज्ञा है। डॉ. आम्बेडकर ने लिखा, हिन्दुओं से अछूतों को अलग करने की मांग पर मुसलमानों ने जोर दिया था। 27 जनवरी 1910 को उन्होंने सरकार के सामने एक आवेदन प्रस्तुत किया था। उनका दावा था कि देश की राजनीतिक संस्थाओं में उनके प्रतिनिधित्व का अनुपात सभी हिंदुओं की संख्या के अनुसार निश्चित न किया जाना चाहिए वरन् सवर्ण हिंदुओं की संख्या के अनुरूप ही निश्चित होना चाहिए। उनका कहना था कि अछूत हिंदू नहीं हैं। (खण्ड 5 पृष्ठ 7) लिखा कि 1909 में मुसलमानों की ओर से आगा खां ने वायसराय मिंटों के सामने आवेदन पेश किया था- राजनीतिक संस्थाओं और सार्वजनिक सेवाओं में मुसलमानों को पृथक् और पर्वीप प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। 1901 में जो मर्दमशुमारी हुई थी उसमें मुसलमान कुल आबादी का चैथाई या पांचवा हिस्सा थे। यदि

हिन्दू समुदाय से अस्पृश्य अंगों को निकाल दिया जाए, जो प्रकृति पूजक हैं या छोटे-मोटे धर्म मानने वाले हैं, वे निकाल दिये जाएँ, तो बहुसंख्यक हिंदुओं के मुकाबले मुसलमानों की संख्या का अनुपात पहले से बढ़ जाता है। (खण्ड 7, पृष्ठ 311-12) ऋग्वेद में कहीं भी 4 वर्ण नहीं है। शब्द ब्राह्मण का भी वर्ण के अर्थ में प्रयोग नहीं हुआ। डॉ. रामविलास शर्मा ने लिखा (भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश, पृष्ठ 53) है, ऋग्वेद में ब्रह्मन शब्द बहुत बार आया है। इसका अर्थ ब्राह्मण वर्ण नहीं है। ब्रह्मन की तरह अनेक बार ब्रह्मा का भी प्रयोग हुआ है। इसका मूल अर्थ प्रप्रस्तितपरक काव्य है। कवि इन्द्र से कहता है, हम तेरे लिए अभूतपूर्व स्तोत्र कहते हैं। (8.90.3) ब्रह्मन की तरह ब्रह्मा भी कवि, गायक, स्तोता हैं। वशिष्ठ इसी अर्थ में ब्रह्मन है। (8.90.3) इन्द्र वशिष्ठ से कहते हैं-हे वशिष्ठ, ब्राह्मन, तू उर्वर्षी के मन से उत्पन्न हुआ है। (7.33.11) इन तमाम संदर्भों में स्तुति और स्तोत्र की चर्चा है। ब्राह्मणाम् का अर्थ ब्राह्मण जाति या वर्ण नहीं, कवि, ब्रह्मकार गायक है। राष्ट्र सर्वोपरि आस्था है। डॉ. आम्बेडकर ने लिखा, भारत एक भौगोलिक इकाई है। इस इकाई का निर्माण प्रकृति ने किया है। यह सही है कि भारतवासी आपस में झगड़ते रहते हैं परन्तु इन झगड़ों से उस एकता का नाश नहीं हो सकता, जो प्रकृति के समान ही सनातन है। भौगोलिक एकता के साथ ही यहाँ सांस्कृतिक एकता भी है। डॉ॰ आम्बेडकर के निष्कर्ष रोमांचकारी हैं। भारत प्रकृति निर्मित राष्ट्र है। राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता प्रकृति के समान सनातन है। सचिवायन निर्माण के आखिरी दिन (25.11.1949) उन्होंने भावुक भाषण दिया। अन्त में कहा, यहाँ मैं अपना भाषण खत्म कर देता किन्तु मेरा मस्तिष्क देश की भविष्य चिन्ता से परीपूर्य है। क्या भारत अपनी स्वतंत्रता बनाये रखने में कामयाब होगा? जाति और मत-मतान्तर राजनैतिक पक्ष बन रहे हैं। क्या भारतीय मत-मतान्तरों को राष्ट्र से श्रेष्ठ मानेंगे या राष्ट्र के मत मतान्तरों से ऊपर ? डॉ. आम्बेडकर की आस्था का केन्द्र राष्ट्र था। हम सबको अपने भारत रत्न पर गर्व है। (लेखक, उग्र विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

राजी सरहुल का प्रारंभ एवं उद्देश्य



आदिवासियों का पर्व त्यौहार कई तरह के देखे जाते हैं, परन्तु मुख्य रूप से सरहुल और करमा को माना जाता है। करमा बरसाती समय का पर्व है, तो सरहुल सुख समय का। दोनों का मौसम के आधार पर विशेष महत्व है। सरहुल धरती आकाश पेड़ वातावरण से संबंधित है तो करमा खेती बारी अन्न धन से संबंधित। करमा पूजा खेती से संबंधित होने के चलते सभी जगह एक साथ मनाये जाते हैं, क्योंकि बरखा का आगमन होने के बाद सभी लोग खेती में लग जाते हैं। इसी विचारधारा को लेकर सरहुल को भी एक साथ मनाने पर विचार किया गया।

अलग अलग दिनों में क्यों मनाया जाता है सरहुल
हम जानते हैं कि झारखंड में आदिवासियों का आगमन के समय में अंतर है। असुर 1000 ई पूर्व पहले आये, मुंडा उसके बाद 600 ई पूर्व आये, फिर धीरे-धीरे कर उरांव या अन्य जातियां आयीं। सभी अपने हिसाब से अलग-अलग क्षेत्रों में बसे। खेत बनाये, घर बनाये और फिर गांव बसाये। ये सभी प्रकृति पूजक थे। जहां भी बसते थे, धरती धाम को पूज लेते थे और उस दिन को विशेष दिन मानकर हर वर्ष पूजा करते थे। इसलिए जो गांव जिस दिन बसा, उस दिन उस गांव की सरहुल पूजा होती है। यही कारण है कि झारखंड में सरहुल सभी गांव के अलग-अलग दिनों में देखा जाता है।

एक रूपता लाने पर विचार
आदिवासियों की सरहुल पूजा अलग-अलग

दिनों में होने से जातीय समीकरण में मेल नहीं खाने लगा। जिस तरह करमा पूजा सभी के, एक साथ होते हैं, उसी तरह सरहुल पूजा भी एक साथ होनी चाहिए थी। अलग-अलग दिनों में होने से काफी समय भी व्यर्थ चला जाता था और एकजुटता का दिन नहीं बन पाता था। आदिवासियों में कई समुदाय होने से भी एकरूपता में मेल नहीं खाता था। आजादी के बाद झारखंड में बाहरी लोगों का प्रवेश विशेष होने लगा। कारखाना, डैम एवं अन्य कार्यों के लिए यहां के आदिवासियों को विस्थापित किया जाने लगा। जमीन कोड़ी के मोल लाने लगे। विभिन्न संस्थानों के नाम पर करीब 700 गांव विस्थापित हो चुके थे। कारखाने के नाम पर काफी जमीन लो जाने लगी। काम के नाम पर बाहरी का आगमन तेजी से बढ़ रहा था। एचईसी कारखाने के खुलने से विशेष प्रभाव पड़ा। चारों तरफ आदिवासी जमीन ली जा रही थी और आदिवासी फागुन, चैत और वैशाख तक सरहुल मनाने में दूबे रहते थे। संस्कृति संस्कार जमीन जगह से ध्वान भटक गया था। 1962 में एचईसी शुरू हुआ थ। कार्तिक

उरांव डिजायनिंग इंजीनियर बने थे। लोकल की नौकरी से वंचित होते देखा था। उनकी बातें सरकार सुन नहीं रही थी, तब उन्होंने नौकरी छोड़कर राजनीति में उतरने का फैसला किया और आदिवासियों को बचाने के लिए एकत्रित करने लगे। ऐसे समय में लोगों को एक सूत्र में बांधने के लिए कई सामाजिक कार्यकर्ता उनके विचार से प्रभावित होकर अपने-अपने क्षेत्र में एकजुटता अभियान चलाने लगे थे। इसमें से एक अभियान सरहुल पर्व का भी था। सरहुल पर्व को एक दिन कर दी जाए तो सभी 32 जनजातियां एक साथ एक जगह जुटेंगे और विचारों से एक हो पाएंगे। इस तरह राजी सरहुल एक जुटता का उद्देश्य बन विचारों में आया। राजी सरहुल की शुरुआत में कई व्यक्तियों का विशेष योगदान है। 1967 ई से राजी सरहुल प्रारंभ हुआ। राजी सरहुल के लिए अनेक लोगों ने सहमति जतायी, परन्तु कुछ व्यक्तियों ने धरातल पर लाने में काफी मेहनत की। इसमें करमचंद भगत, मादी पहान, जो जंगलाल पहान के पिता थे, फामू उरांव जो अमर उरांव के पिता थे, देवेन्द्र सिंह मुंडा,

भूखला भगत, कार्तिक उरांव, मानकी मुंडा रांची स्थित करमटोली चौक के पास स्थित घर के आंगन में साल के विशाल वृक्ष था, वहीं से सभी ने पूजा कर जुलूस का प्रारंभ किया। चारों ओर इस दिन की सूचना दी गई थी। लोग गांवों से अपनी टीम के साथ बाजा गाजा के साथ अपनी संस्कृति संस्कार की रक्षा सोच अंगे लगे थे। इस तरह धूमधाम से नेचरल वाद्यंत्र से रैली निकलने लगी साउण्ड सिस्टम सिर्फ एनाउंसर के लिए होता था। कोई भी टीम साउंड से नहीं नाचती थी। सबके मन में अपनी संस्कृति संस्कार के प्रति श्रद्धा थी। विधिवत पूजा पाठ किया जाता था, गांव के सरहुल में पूजा पाठ होता था। एक दो वर्षों बाद वह रैली हातमा सरना स्थल से शुरू हुई, क्योंकि मानकी मुंडा के घर के पास कोई सरना नहीं था, जिसके चलते विधि विधान से पूजा नहीं होती थी। इसे हातमा से पूरे विधि-विधान से जुलूस निकलना शुरू हो गया। आज भी हातमा सरना स्थल का महत्व है। ये रैली सिरमटोली सरना स्थल जाकर समाप्त होती है। आज विधि विधान से समाज के लोग भटक रहे हैं और साउंड पर नाचने लगे हैं। जो मूल संस्कृति के विरुद्ध है। एकता में एकरूपता नहीं दिख रहा है न ताल गीतों पर बजा पा रहे हैं न पर्वों के गीत गा रहे हैं। जो जैसा सक रहा है, साउंड सिस्टम से चल रहा है। कोई कहने वाला उस समिति में नहीं हैं। एक दिन आदिवासी संस्कृति मिटने के कगार पर पहुंच जाएंगी। यदि अभी से इस पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया तो। पर्व जर्नेमें परन्तु गाने समझ नहीं पाएंगे। (लेखक लोहरदगा कॉलेज में प्राध्यापक हैं)



पंकज जगन्नाथ जायसवाल

नवंबर 2017 में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की लॉरा निकोल ने एक लेख में कहा, हमें उन पीड़ितों के इतिहास को नहीं भूलना चाहिए जिनके पास आवाज नहीं है क्योंकि वे अपनी कहानियों के लिखे जाने के बाद जीवित नहीं बचे। सबसे जरूरी बात यह है कि हमें इसे दोहराने के प्रलोभन का विरोध करना चाहिए।

महान देशभक्त और बहुमुखी व्यक्तित्व वाले डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर राष्ट्र से जुड़े सभी मुद्दों पर स्पष्ट और मुखर थे। इस तथ्य के बावजूद कि कम्युनिस्टों और कई राजनीतिक हस्तियों ने उन्हें हिंदू धर्म के विरोधी के रूप में चित्रित किया है। हालांकि, उन्होंने कभी भी देश के अतीत और संस्कृति का तिरस्कार नहीं किया बल्कि उन्होंने उस समय प्रचलित अंधविश्वासी प्रथाएं और व्यापक जातिगत भेदभाव का तिरस्कार किया। उन्होंने अपनी पुस्तक 'रिटल्स ऑफ हिंदूइज्म' में यह तत्काल उल्लेख किया है कि, जबकि पंडित का मानना ​​है कि लोकतंत्र का आविष्कार उन्होंने किया, हिंदू 'वेदात' में इसके बारे में और भी प्रमुख और स्पष्ट चर्चाएं हैं, जो किसी भी पंडिमी अवधारणा से पुरानी हैं। बाबासाहेब हिंदू विरोधी नहीं थे, लेकिन वे हिंदू धर्म की कुछ कुप्रथाओं और कुछ अनुचित रीति-रिवाजों के विरोधी थे। अगर उन्हें हिंदू धर्म से नफरत होती तो वे हिंदू धर्म को और कमजोर करने के लिए इस्लाम या ईसाई धर्म अपना लेते। हालांकि, उन्होंने बौद्ध धर्म को अपनाया क्योंकि इसकी मान्यताएं हिंदू धर्म से बहुत मिलती-जुलती हैं। हिंदू धर्म के कई आलोचक हिंदू धर्म के खिलाफ उनकी कुछ पंक्तियों का उल्लेख करते हैं, लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि वे उस समय की प्रतिक्रियाएं थीं और प्रतिक्रियाएं क्षणभंगुर भावनाएं होती हैं जो किसी के चरित्र या विचार प्रक्रिया को निर्धारित नहीं कर सकती हैं।

अधिकांश प्रतिक्रियाएं कुछ प्रथाओं के खिलाफ गुस्से से प्रदर्शित हुई थीं, इसलिए यह दावा करना बेकार है कि वे हिंदू विरोधी थे। जब हम अपने परिवार के सदस्यों के लिए कठोर शब्दों का उपयोग करते हैं, तो हम रचनात्मक बदलाव लाने के लिए प्यार से ऐसा करते हैं, जैसा कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने किया था। उस समय उनकी प्रसिद्धि और शक्ति उन्हें हिंदुओं और भारत को महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचाने की अनुमति दे सकती थी, हालांकि वे एक देशभक्त थे और तथ्यों से अवगत थे। क्या हम कल्पना कर सकते हैं कि अगर उन्होंने ईसाई धर्म या इस्लाम स्वीकार कर लिया होता तो क्या होता? उन्हें पता था कि हर धर्म और विचारधारा में खामियां होती हैं जिन्हें संबोधित करने और सुधारने की आवश्यकता होती है। उन्हें उम्मीद थी कि हिंदू सामाजिक असमानता को खत्म करने के लिए कदम उठाएंगे, इसलिए उन्होंने हिंदू नेताओं के लिए सुधारात्मक कार्यावाही करने के लिए एक समय सीमा निर्धारित की। हालांकि, हिंदुओं के बीच बड़े पैमाने पर जाति विभाजन, साथ ही मुगलों और अंग्रेजों द्वारा समय-समय पर मुगलमी की मानसिकता को बढ़ावा दिया गया, जिससे हिंदुओं के लिए सामाजिक असमानता के इस मुद्दे को उस समय दूर करना असंभव हो गया। डॉक्टर अंबेडकर ने महसूस किया कि कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों द्वारा खड़ी की गई बाधाएं भी हिंदू पतन में योगदान दे रही थीं। कांग्रेस, साम्यवाद,



इस्लाम और ईसाई धर्म के खिलाफ उन्होंने खुलकर विचार रखे थे। आइए कांग्रेस और साम्यवाद पर उनके दृष्टिकोण की जांच करें। **कम्युनिस्ट विचारधारा के बारे में क्या कहा**
मानवता केवल आर्थिक मूल्यों को ही नहीं चाहती, वह आध्यात्मिक मूल्यों को भी बनाए रखना चाहती है। स्थायी तानाशाही ने आध्यात्मिक मूल्यों पर कोई ध्यान नहीं दिया है और ऐसा लगता नहीं है कि वह ऐसा करने का इरादा रखती है। कम्युनिस्ट दर्शन भी उनका ही गलत लगता है, क्योंकि उनके दर्शन का उद्देश्य सुअरों को मोटा करना है, मानो मनुष्य को शरीर से बेहतर नहीं है। मनुष्य को भौतिक रूप से भी विकसित होना चाहिए और आध्यात्मिक रूप से भी। [संर्भ: खंड 3, बुद्ध या कार्ल मार्क्स, पृष्ठ संख्या

461-462] डॉ. अंबेडकर ने सही कहा कि केवल भौतिकवाद पर ध्यान केंद्रित करने से स्वाथ, तालच और अवसरवाद बढ़ता है। वे मानवता से दूर हो जाते हैं, जिसके कारण वे कभी भी समाज या राष्ट्र को प्राथमिकता नहीं दे पाते हैं। समाज और राष्ट्र कभी भी शांतिपूर्ण नहीं होंगे, इसलिए आध्यात्मिक विशेषताएं व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और दुनिया के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। डॉ. अंबेडकर ने अपनी उत्कृष्ट कृति रपनिहिलेशन ऑफ कार्टर में स्पष्ट रूप से कहा कि कम्युनिस्ट व्यापक आर्थिक क्रांति की उम्मीद नहीं कर सकते, जबकि श्रमिक जाति के आधार पर विभाजित हैं। मान लीजिए कि अगर वे आर्थिक क्रांति शुरू करने में सफल रहे, तो उन्हें जारी रखने के लिए जाति के मुद्दे को संबोधित करना होगा। क्योंकि समानता के लिए भाईचारे की

आवश्यकता होती है। हालांकि, भाईचारे की अनुपस्थिति में स्वतंत्रता और समानता की गारंटी नहीं दी जा सकती है, जिसे जातियों के साथ हासिल करना असंभव है। उन्होंने कहा, क्या कम्युनिस्ट यह कह सकते हैं कि अपने मूल्यवान लक्ष्य को प्राप्त करने में उन्होंने अन्य मूल्यवान लक्ष्यों को नष्ट नहीं किया है? उन्होंने निजी संपत्ति को नष्ट कर दिया है। यह मानते हुए कि यह एक मूल्यवान लक्ष्य है, क्या कम्युनिस्ट यह कह सकते हैं कि इसे प्राप्त करने की प्रक्रिया में उन्होंने अन्य मूल्यवान लक्ष्यों को नष्ट नहीं किया है? अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन्होंने कितने लोगों को मारा है। क्या मानव जीवन को कोई मूल्य नहीं है? क्या वे मालिक की जान लिए बिना संपत्ति नहीं ले सकते थे? स्वर्गीय श्री दत्तोत्त टेंगड़ी ने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा समर्थित विचारों पर श्रमिकों और किसानों के लिए संगठन बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह व्यक्तियों को आर्थिक वस्तुओं के रूप में देखता है और उनका समाज और राष्ट्र के खिलाफ उपकरण के रूप में उपयोग किया जाता है। अपनी शुरुआत से ही, साम्यवाद ने समाज को विभाजित करने और नुकसान पहुंचाने के लिए इसी रणनीति का इस्तेमाल किया है, यही वजह है कि डॉ. बाबासाहेब इसके खल खिलाफ थे। साम्यवाद सिद्धांत में तो

उन्होंने तैयार किया था, इन सभी ने उन्हें कैबिनेट में अपनी बढ़ती अस्थिर स्थिति से अलग होने में योगदान दिया। डॉ. अंबेडकर ने कई मौकों पर कश्मीर विषय पर चर्चा की। 10 अक्टूबर, 1951 को डॉ. अंबेडकर ने भारत की विदेश नीति के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। डॉ. अंबेडकर ने पंडित नेहरू पर भारत के पिछड़े हिंदुओं, अनुसूचित जातियों, जातिजातियों और पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) के लोगों की तुलना में, विशेष रूप से कश्मीर में मुसलमानों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। सिखों, ईसाइयों और अन्य धार्मिक समूहों के खिलाफ कई अत्याचार किए गए, लेकिन सरकार ने उन पर बहुत कम ध्यान दिया। सरकार ने अपना सारा ध्यान कश्मीर पर केंद्रित कर दिया। डॉ. अंबेडकर ने विभाजन के साथ पूर्ण जनसांख्यिकीय पुनर्करण की वकालत की, लेकिन उनकी आवाज कभी नहीं सुनी गई। जब पेशेवर लोग डॉ. अंबेडकर का व्यापक दृष्टिकोण और निष्पक्ष दृष्टिकोण से विश्लेषण करना शुरू करेंगे, तो लोगों को वास्तविकता की गहरी समझ प्राप्त होगी और वे महसूस करेंगे कि वे हिंदू धर्म के विरोधी नहीं हैं, बल्कि सामाजिक प्रासंगिकता की कुछ प्रथाओं में रचनात्मक संशोधन करने की सच्ची सोच रखते थे। इस शानदार देशभक्त और मानवता के महान नेता को नम्र। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)



गोला डेली मार्केट के होटल में लड़ा रहे थे पैग, एसपी की टीम ने मारा छापा

228 बोटल अंग्रेजी शराब और आठ पेटी देशी शराब हुआ जब्ता

रामगढ़। जिले में पुलिस अवैध शराब के खिलाफ लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। शुक्रवार को एसपी डॉ बिमल कुमार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर उनकी टीम ने गोला डेली मार्केट में एक छोटे से होटल में भारी मात्रा में अवैध शराब जप्त किया है। इस संबंध में एसपी डॉ बिमल कुमार ने बताया कि उन्हें यह सूचना मिली थी की गोला सुंडी टोला निवासी पिंटू चंद्र पोद्दार पिता जीतू चंद्र पोद्दार के द्वारा अपने घर में भारी मात्रा में अंग्रेजी एवं देशी शराब का भंडारण किया गया है। साथ ही डेली मार्केट के समीप अपने होटल में वह शराब की बिक्री भी करते हैं। पुलिस ने इस



मामले में होटल संचालक के खिलाफ अवैध रूप से बिना लाइसेंस के विदेशी शराब का भंडारण करने तथा बिक्री करने के आरोप में प्राथमिक की दर्ज की है।

होटल पहुंची पुलिस तो पैग लड़ाते मिले ग्राहक

एसपी की टीम ने जब होटल में छापेमारी की तो वहां पैग लड़ाते

लोग मौजूद दिखे। पुलिस को देखते ही वहां शराब पी रहे लोग और होटल संचालक सिर पर पैर रखकर भाग खड़े हुए। पुलिस ने जब होटल की तलाशी ली तो वहां

से बकाईं लेमन 180 एमएल का 8 बोटल, सिमेचर प्रीमियम ग्रीन व्हिस्की 180 एमएल का 5 बोटल, रॉयल स्टैंग प्रीमियम व्हिस्की 180 एमएल का 5 बोटल बरामद हुआ।

पिंटू के घर से भी मिली भारी मात्रा में शराब

पुलिस की टीम ने होटल संचालक पिंटू चंद्र पोद्दार के घर की भी तलाशी ली। तलाशी के क्रम में मैकडॉविल नंबर वन 375 एमएल का एक पेटी, जिसमें 24 शराब की बोटल, नंबर वन लंगरी 180 एमएल का दो पेटी जिसमें 48 बोटल, स्टर्लिंग रिजर्व बी7 180 एमएल का 45 पीस, गॉडफादर स्ट्रांग बियर 650 एमएल का 50 बोटल, किंगफिशर स्ट्रांग बियर 650 एमएल का 30 बोटल, 8 पीएम प्रीमियम ब्लैक लाइट व्हिस्की 750 एमएल का 3 बोटल, दिल खुश देसी शराब 600 एमएल का 8 पेटी हर पेटी में 20-20 बोटल बरामद किया गया।

डोमचांच थाना मे रामनवमी को लेकर शांति समिति की बैठक आहूत की गई



डोमचांच। थाना परिसर में रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ भोला पांडेय और डोमचांच सीओ रविन्द्र पांडेय ने की। साथ ही थाना प्रभारी प्रेम कुमार मौजूद रहे। बैठक के दौरान थाना प्रभारी ने कहा कि आदर्श आचार संहिता का अनुपालन करते हुए पर्व को मनाना है। अखाड़ा कर्मियों को अपने वोलंटियर्स को रखना है, साथ ही उन्हें सख्त निर्देश दिया गया कि शराब पीकर जुलुश में शामिल नही होना है। डीजे पर पूर्ण पाबंदी रहेगी। पोलिटिकल पार्टी का झंडा, बैनर और लोगो नही होना चाहिए। जुलुश निकालने का परमिशन कोडरमा एसडीओ से मिलेगा। मौके पर जपि सदस्य शांति प्रिया, बगड़ो मुखिया प्रतिनिधि राजेंद्र यादव, समाजसेवी सुरेश कुमार, वार्ड पार्षद अशोक यादव, भरत नारायण मेहता, वीरेंद्र मेहता, रंजीत साव, हाजी मुस्लिम अंसारी, नीलकंठ मेहता, गुड्डू यादव, अंगलाल राम, सुरेश विश्वकर्मा, केपी चौधरी, राजकुमार यादव, रंजन कुमार, भागवत खटीक, प्रदीप मेहता, मिथिलेश मेहता, त्रिवेणी विश्वकर्मा, मुंशी मेहता, कैलाश यादव, राजेंद्र यादव, आदित्य बर्णवाल, वकील यादव, आदि लोग मौजूद रहे।

चुनाव से पहले वारंटी को करें गिरफ्तार, अवैध कारोबार पर रहे लगाम : एसडीपीओ

रामगढ़ एसडीपीओ ने थाना प्रभारी को क्राइम मीटिंग में दिया निर्देश

रामगढ़। लोकसभा चुनाव में अपराधियों की दखल होने की संभावना रहती है। लेकिन जितने भी वारंटी हैं उन्हें तत्काल गिरफ्तार करना है। यह निर्देश रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने शुक्रवार को अपराध समीक्षा बैठक में कहीं। उन्होंने कहा कि थानों में जितने भी लॉबत मामले हैं इसका निष्पादन अतिशीघ्र किया जाना है। वर्तमान में रामनवमी का त्योहार और लोकसभा का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। इन दोनों महापर्व



में पुलिस को 24 घंटे अलर्ट रहने की आवश्यकता है। थाना प्रभारी अपने क्षेत्र में पेट्रोलिंग और तेज करें। चौक चौराहों पर

पुलिस की मौजूदगी बनी रहनी चाहिए। किसी भी स्तर पर विधि व्यवस्था भंग ना हो इसका ख्याल रखना है। इसके साथ ही

चुनावी भाग दौड़ में अवैध कारोबार करने वाले लोग भी काफी सक्रिय होने की कोशिश कर रहे हैं। रामगढ़ जिले में कोयला, लोहा, बालू से जुड़े अवैध कारोबार पर लगाम लगाए रखने का निर्देश दिया गया। बैठक में रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहू, रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन कुमार पांडे, यातायात थाना प्रभारी रजत कुमार, मांडू थाना प्रभारी रंजीत कुमार यादव, गोला थाना प्रभारी, बरलंगा थाना प्रभारी आनंद कुमार, कुजु ओपी प्रभारी दिगंबर पांडे, वेस्ट बोकारो ओपी प्रभारी, मांडू और गोला सर्किल इंस्पेक्टर मौजूद थे।

अज्ञात महिला का शव बरामद जांच में जुटी पुलिस

चंदवारा। प्रखण्ड अंतर्गत उरवों जवाहर घाटी श्मशान घाट के समीप एक अज्ञात महिला का शव पानी में तैरता हुआ बरामत हुआ। सूत्रों के अनुसार दिन शुक्रवार को ग्रामीण व मछुआरों एक अज्ञात महिला का शव पानी में मिलने की सूचना चंदवारा थाना प्रभारी को दिए। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर थाना प्रभारी अरविंद कुमार अपने दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिए। महिला की

पहचान नहीं हो पाई है। महिला लाल कलर का नाइटी पहनी हुई थी। मौके पर थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने कहा की देखने से बिच्छूख्त महिला के जैसा लग रही है ' हल्ता व आत्महत्या की खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चल पाएगा। साथ ही कहा की जवाहर घाट के आसपास रास्ता सुत्सान होने के कारण अपराधी इस तरह की घटना को अंजाम दे कर शव को डैम में फेक देते है ' खबर लिखे जाने तक शव की सिनाखास्त नही हो पाई है '

सतगावां के मरचोई में लगी आग से हजारों की संपत्ति जलकर खाक

नवप्रदेश, सतगावां। थाना क्षेत्र के मरचोई में गेहू फसल की कटाई के दौरान आग लगने से हजारों की संपत्ति जल जाने का मामला प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के मुताबिक मरचोई मौजा के पेटारो में खेत मे बने पशु शेड के समीप गेहू फसल की कटाई की जा रही थी। तभी अचानक आग लग गयी। जिसमें लगभग तीस बोरा गेहू,पशु चारा समेत कृषि कार्य के उपकरण जल कर राख हो गया। इस घटना को लेकर रामदेव मिस्त्री ने थाना में एक आवेदन देकर आर्थिक सहयोग करने की गुहार लगायी है।आवेदन में कहा गया कि मैं एक गरीब किसान हूँ।फसल जल जाने से बाल -बच्चों के जीवकोपार्जन करने में काफी दिक्कत होगी।

नहाय खाय के साथ चैती छठ शुरू, खरना आज

डोमचांच। प्रखंड क्षेत्र के फुलवरिया, बिगहा, मंहेशपुर, मसनोडीह, बेहराडीह, नावाडीह, नवादा चौक, भगलोडीह सहित अन्य क्षेत्र मे हर्षोउल्लास के साथ लोक आस्था का महापर्व चैत्री छठ दिन गुरुवार शुरू हो गया ।4 दिनों तक चलने वाला छठ महापर्व की शुरूआत चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से होता है। छठ महापर्व में नहाय खाय का खास महत्व है। इस दिन व्रती शुद्ध होकर व्रत की शुरूआत करते हैं। इसके बाद छठ संपन्न होने के बाद ही व्रती



भोजन करते हैं। नहाय खाय के दिन ही छठ में चढ़ने वाला खास प्रसाद (टेकुआ) के लिए गेहू धोकर सुखाया जाता है। सात्विक भोजन: छठ पूजा में सफाई और शुद्धता का

विशेष ध्यान रखा जाता है। इस दिन से घर में लहसुन - प्याज बनना बंद हो जाता है। नहाय खाय के दिन मिट्टी और आम की लकड़ी वाले चूल्हे में अरवार चावल, चना दाल

और कहु की सब्जी बनायी जाती है। खाना बनाने में घी और सेंधा नमक का प्रयोग किया जाता है। सुर्व भगवान को भोग लगाने के बाद व्रती भोजन करते हैं। इसके बाद घर के सभी लोग इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। इस दिन व्रती बिस्तर के बजाव जमीन में सोते है। लौक्री और चने की दाल खाने का विशेष महत्व: बता दें कि नहाय खाय के दिन विशेष तौर पर लौक्री की सब्जी बनती है। इसके पीछे यह मान्यता है कि लौक्री काफी पवित्र होता है। साथ ही इसमें पौांत मात्रा (96 फीसदी) में पानी होता है।

भाजपा उम्मीदवार वीडी राम का विरोध, सड़क नहीं बनने से लोगों में गुस्सा

पलामू (हि.स.)। पलामू अजा लोकसभा सीट से बीजेपी के उम्मीदवार वीडी राम का विरोध किया गया है। नामांकन से पहले लोगों से वोट को लेकर मिलने के दौरान पलामू जिले के पाटन प्रखंड क्षेत्र में विरोध किया गया। इससे संबंधित एक वीडियो में सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। लोग इस वीडियो में सांसद का विरोध करते हुए आपत्तिजनक बातें भी बोल रहे हैं। विवादित हो वीडी राम के खिलाफ इससे पहले पड़वा, मेदिनीनगर शहर के अलावा अन्य जगहों पर बैनर लगाकर उन्हें बाहरी व्यक्ति बताया गया था। साथ ही स्थानीय को



उम्मीदवार बनाने की मांग की गयी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पलामू संसदीय सीट से वीडी राम

की जगह दूसरे उम्मीदवार को चुनाव लड़ाने का आग्रह किया गया था। यहां यह भी बता दें कि

पिछले लोकसभा चुनाव से पहले चतरा लोकसभा क्षेत्र में भी सुनील सिंह के विरोध का वीडियो

वायरल हुआ था। वीडी राम का विरोध करते हुए वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि

प्रचार के दौरान कुछ लोग वीडी राम का विरोध कर रहे हैं और उन्होंने भला बुरा भी कह रहे हैं। उनका कहना था कि पूरे कार्यकाल में सांसद रहते हुए वीडी राम ने कभी उनके गांव का दौरा नहीं किया। ना ही कोई विकास का काम उनके क्षेत्र में किया गया, लेकिन चुनाव से पहले वो एक बार फिर वोट मांगने आ गए। विरोध के दौरान उन्हें बेशर्मा तक कह दिया गया। साथ ही अन्य अपशब्द भी बोले गए। वीडियो का स्त्रोट सोशल मीडिया प्लेटफार्मा है। साथ ही इस वीडियो की पुष्टि हिन्दुस्तान समाचार एजेंसी नहीं करती है।

एक नजर

इंडिया महागठबंधन की जिलास्तरीय बैठक, विधानसभा स्तरीय समन्वय समिति का गठन

झुमरीतिलैया। इंडिया महागठबंधन की बैठक शुक्रवार को साहू धर्मशाला कोडरमा में हुई। अध्यक्षता राजद प्रदेश महासचिव डॉ जावेद अख्तर ने किया। जबकि संचालन जेएमएम जिला महासचिव श्यामदेव यादव और जपि सदस्य महादेव राम ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में इंडिया महागठबंधन के भाकपा माले के प्रत्याशी विनोद सिंह,बरही के कांग्रेस विधायक उमाशंकर अकेला मुख्य रूप से शामिल हुए। कॉमरेड विनोद सिंह ने संबोधित करते हुए कहा की पिछले 5 सालों में संसद में कोडरमा की आवाज नही सुनाई दी। रोजी, रोजगार, पलायन जैसे मुद्दे पर सड़क वीरान रही। उन्होंने कहा कि कोडरमा के लाखों लोगों की आवाज संसद में भी गुंजेगी और सड़को पर भी सुनाई देगी। उन्होंने कहा की नीतियों के निर्धारण के लिए जनता सांसद का चुनाव करती है। लेकिन कोडरमा के लिए दुर्भाग्य है कि ना दिवरा को लेकर कोई नीति बनी और ना ही श्रमिको के पलायन को लेकर कोई नीति बन पाई। कोरोना में मजदूरों और परीबो के साथ केंद्र सरकार ने क्रूर मजाक किया। कोरोना काल मे मजदूर गुजरात, मुम्बई,सूरत,हैदराबाद से पैदल यातनायें भरी सफ़र तय किया। लेकिन झारखण्ड सरकार ने चप्पल पहनने वाले को हवाई जहाज से वापस लाया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों की उपलब्धि भाजपा के सांसद के पास नही है।विधायक उमाशंकर यादव ने कहा कि मोदी सरकार ने 2 करोड़ रोजगार देने का वादा किया था,सरकार ने रोजगार दे दिया होता तो 20 करोड़ बेरोजगारों का जिंदगी संवर जाता। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के जुमले से देश की जनता परेशान है और इसबार जनता सत्ता परिवर्तन के लिए कमर कस लिया है।उन्होंने कहा कि कोडरमा में भाजपा ने दिवरा मजदूरों का रोजगार छीन लिया। उन्होंने कहा की कोडरमा की जनता कॉमरेड महेंद्र सिंह की राह पर चल पड़ा है।अन्याय और शोषण के खिलाफ गांव-गांव में सामाजिक न्याय के योद्धा लालू प्रसाद यादव को धोखा देने वाली कोडरमा सांसद को वोट की ताकत से सबक सिखाने को तैयार है। बैठक में चुनाव को लेकर इंडिया महागठबंधन की रणनीति तैयार किया गया। कोडरमा विधानसभा स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया गया। वहीं भाकपा माले प्रत्याशी विनोद सिंह के पक्ष में प्रचार प्रसार को लेकर भी रणनीति तैयार किया गया। मौके पर राजद जिलाध्यक्ष रामधन यादव, जेएमएम जिलाध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय,कांग्रेस जिलाध्यक्ष भागीरथ पासवान,सीपीएम जिला सचिव असीम, राजद अध्यक्ष मनोज रजक सरकार, आप जिलाध्यक्ष दामोदर यादव, सीपीआई जिला मंत्री प्रकाश रजक, डॉ जावेद अख्तर, जपि सदस्य महादेव राम, अवधेश प्रसाद यादव, सरफराज नवाज, महेंद्र यादव, संदीप कुमार, मनोज सहाय पिंकू, राजकुमार यादव, धीरज यादव, इंद्रदेव राम, प्रेम प्रकाश, चरणजीत सिंह, उदय द्विवेदी, संजय दास, रमेश प्रजापति, मो.मोजहिर, प्रेम पांडेय, घनश्याम तुरी, किशोरी यादव समेत कई लोग मौजूद थे।

12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेज दिखा कर सकेंगे मतदान: जिला निर्वाचन पदाधिकारी

नवप्रदेश, कोडरमा। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत चुनाव का पर्व-देश का गर्व मतदान होना है। कोडरमा लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आगामी 20 मई 2024 का मतदान होगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने बताया कि ऐसे में मतदाताओं को मतदान करने से पहले मतदाता फोटो युक्त पहचान पत्र (ईपीक) प्रस्तुत करना है।यदि किसी कारणवश मतदाता मतदान केंद्र में ईपीक प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं तो ऐसी स्थिति में मतदाता वैकल्पिक फोटो युक्त पहचान पत्र दिखाकर अपने मतार्धिकार का इस्तेमाल कर सकते हैं। मतदान के लिए ईपीक के अलावा 12 अन्य वैकल्पिक दस्तावेज मान्य हैं। इसमें पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, राज्य या केंद्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों /पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंकों या डाकघरों द्वारा जारी की गई फोटोयुक्त पासबुक, पेन कार्ड, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) द्वारा जारी किए गए कार्ड, मनरेगा जाँब कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड (श्रम मंत्रालय), फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, आधार कार्ड, साँपद/ विधायक पार्षद की जारी कार्ड एवं विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआइडी) शामिल है।

बालू का अवैध उठाव जारी, खतरे मे मसमोहना नदी का अस्तित्व

डोमचांच। खनन विभाग व पुलिस की उदासीनता के कारण प्रखंड तथा आसपास के क्षेत्र के विभिन्न नदियों में बालू का उत्खनन जारी पर है। इसके कारण नदियों का अस्तित्व खतरे में है। यहां तक की नवलशाही - मसमोहना वाले रास्ते में पड़ने वाला नदी में बने पुल भी धंसने लगे हैं। जबकि अवैध बालू उठाव से नदी का अस्तित्व खतरे में है। यदि अवैध बालू उठाव पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो नदी बिना बालू के रह जाएगा। मसमोहना नदी व नीमडीह नदी से रात भर ट्रैक्टर के माध्यम से बालू की ढुलाई अवैध रूप से की जाती है। इससे ट्रैक्टरों की आवाज से लोगों की नींद हराम होती हैं। इस कार्य में कुछ स्थानीय लोग भी सल्लिप्त हैं। सूत्रों की माने तो नीमडीह नदी से लाने वाले प्रत्येक गाड़ी से 200 रुपये की अवैध वसूली भी की जा रही है। बताया जाता है कि नदी से प्रत्येक दिन करीब एक सौ ट्रैक्टर बालू का उठाव हो रहा है। यह बालू लंदे ट्रैक्टर मुख्य सड़कों से ना जाकर गांव व मोहल्लों के कच्चे रास्तों से होकर गुजरते हैं। इससे प्रतिदिन सरकार को लाखों रूपए के राजस्व की हानि हो रही है। वहीं इस मामले में प्रशासनिक विभाग एवं खनन विभाग जुटी साधे हुए है। बालू की ढुलाई विभिन्न नदियों से कई जगह डंप कर बिहार भेजा जा रहा है।

श्री श्री 108 श्री मारुती नंदन प्राण प्रतिष्ठा का प्रथम वार्षिकोत्सव मनाया गया

नवप्रदेश, डोमचांच। प्रखंड अंतर्गत बच्छेडीह पंचायत के ग्राम कुशमई में श्री श्री 108 श्री मारुति नंदन प्राण प्रतिष्ठा प्रथम वार्षिकोत्सव पांच दिवसीय भागवत ज्ञान यज्ञ का प्रथम वार्षिकोत्सव गाजे - बाजे और जयकारे के साथ मनाया जा रहा है। इस दौरान लगभग 300 कन्याओं और महिलाएं ने मंदिर से माथे पर कलश उठाकर गाँव भ्रमण करते हुए मसमोहना नदी घाट पर उत्तरवाहिनी पहुंची. यहां पंडितो द्वारा विधि - विधान से पूजा -अर्चना कर कलश मे जल भरवाया गया. कलश यात्री महिलाएं ने पुनः गाँव भ्रमण करते हुए वार्षिकोत्सव मंदिर मे कलश को स्थापित किया गया। मौके पर पूर्व जपि अध्यक्ष शालिनी गुप्ता, प्रखंड प्रमुख सत्यनारायण यादव, जपि सदस्य शांति प्रिया, मुखिया बीना देवी, समाजसेवी किशोर यादव, मनोज यादव, समाजसेवी वीरेंद्र यादव, समाजसेवी हरदेव साव, पंकज राणा यदि अन्य लोग मौजूद थे।

प्राइवेट स्कूल के मनमानी पर रोक लगाए डीसी : रूचिर तिवारी

मेदिनीनगर पलामू । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य रूचिर कुमार तिवारी ने पलामू उपायुक्त को पत्र लिखकर प्राइवेट स्कूल के मनमानी पर रोक लगाने की मांग की है लिखे गए पत्र में उन्होंने कहा कि पलामू जिले के लगभग सभी प्राइवेट स्कूलों में नया बच्चा के एडमिशन एवं अगले क्लास में एडमिशन लेने के लिए एडमिशन के नाम पर री एडमिशन, पब्लिक फंड, बिल्डिंग फंड एवं अन्य कई तरह के फंडों के नाम पर अभिभावकों से मनमानी तरीका से पैसा वसूला जा रहा है वहीं दूसरी ओर बच्चों के स्कूल ड्रेस कॉपी किताब भी खास दुकानों से खास ब्रांड के लेने के लिए मजबूर किया जाता है और बदल दिया जाता है एवं प्रतिवर्ष किताब और ड्रेस को भी बदल दिया जा रहा है जिससे गरीब एवं मध्यम क्लास परिवार को बच्चों के पठन-पाठन में काफी परेशानी हो रही है या सरासर शिक्षा से अधिकार कानून का भी उल्लंघन है जिससे कईएक बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में प्राइवेट स्कूल पर अंकुश लगाना अनिवार्य है। जिला सचिव श्री तिवारी ने पत्र में यह भी लिखा है प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने के लिए बोकारो के उपायुक्त ने टीम का गठन किया है पलामू उपायुक्त को भी अभिलंब अभिभावकों के परेशानी को दूर करते हुए प्राइवेट स्कूल के मनमानी पर रोक लगानी चाहिए नहीं करने की स्थिति में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी अभिभावकों को साथ लेकर के आंदोलन करने को बाध्य हो जाएंगी एवं प्राइवेट शिक्षण संस्थानों के कार्य को ठप करेगी।

कहां गये 'बसपा के चाणक्य' सतीश मिश्रा

कभी बसपा के बड़े रणनीतिकारों में शामिल रहे और बसपा के चाणक्य कहे जाने वाले सतीश चंद्र मिश्रा इस बार के लोकसभा चुनाव में तकरीबन नदारद से दिख रहे हैं, जबकि बसपा के 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट में सतीश चंद्र मिश्रा का नंबर तीसरे नंबर पर आता है। पहले चरण के लोकसभा चुनाव में महज कुछ दिन ही बाकी हैं, लेकिन बसपा के चाणक्य सतीश चंद्र मिश्रा बड़ी जनसभाओं और रैलियों में नजर ही नहीं आ रहे हैं। वहीं बसपा सुप्रिीमो मायावती के उत्तराधिकारी आकाश आनंद की लगातार रैलियां हो रही हैं। इन रैलियों में आकाश आनंद बसपा के नेताओं की पहले से एक विशेष प्रकार के ढेर वाले भाषणों से इतर जनता से मुखातिब हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश के सियासी गलियारों में सतीश चंद्र मिश्रा की पुराने दौर की तरह रैली और जनसभा में मौजूदगी का न होना कई तरह की चर्चाओं को जन्म दे रही है।

उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनाव में बसपा के प्रमुख राजनीतिकारों में शामिल रहने वाले सतीश चंद्र मिश्रा बीते कुछ दिनों से सियासत की सुर्खियों में हैं। हालांकि सुर्खियों में रहने की कोई खास वजह नहीं है। लेकिन जिस तरीके से वह बसपा के स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल होने के बाद भी अभी तक उसनी सक्रियता के साथ मैदान में नहीं उतर सके हैं, जितने कि बीते लोकसभा और विधानसभा चुनाव में उतरते थे। सियासी गलियारों में चर्चाएं इस बात की भी हो रही हैं कि मायावती के साथ

से कंधा मिलाकर खड़े होने वाले सतीश मिश्रा की जगह इस बार मायावती के भतीजे और उनके उत्तराधिकारी आकाश आनंद ने ले ली है। स्टार प्रचारकों की सूची में कभी मायावती के बाद दूसरे नंबर पर आने वाले सतीश मिश्रा आकाश आनंद के चलते तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। राजनीतिक जानकार डॉ. डीपी शुक्ला कहते हैं कि आकाश आनंद को इस वक्त जितनी जनसभाएं और रैलियां की उत्तर प्रदेश के पहले चरण के चुनाव में हो रही हैं, उसनी प्रमुख रैलियों में कभी पिछले चुनाव में बसपा के चाणक्य और प्रमुख राजनीतिकार सतीश चंद्र मिश्रा भी हुआ करते थे। पहले चरण के चुनाव में अब महज कुछ दिन ही बाकी हैं, लेकिन बड़े स्तर पर सतीश चंद्र मिश्रा की रैलियां और जनसभाएं फिलहाल नहीं देखने को मिल रही हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि दरअसल सतीश चंद्र मिश्रा मायावती के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सभी बड़ी चुनावी रैली और जनसभा में मौजूद रहते थे। इसके अलावा उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में होने वाली चुनावी रैलियां में भी सतीश मिश्रा मायावती के साथ मौजूद रहते थे, क्योंकि मायावती ने खुद अभी उत्तर प्रदेश में चुनावी रैलियां की शुरुआत नहीं की है। इसलिए माना जा सकता है कि सतीश मिश्रा की भी रैलियां अभी सियासी तौर पर नहीं शुरू हुई हैं।

सियासी गलियारों में कहा यह तक जा रहा है कि सतीश मिश्रा को बसपा की ओर से लोकसभा का प्रत्याशी बनाए जाने की चर्चा हो रही थी। हालांकि अभी तक की घोषित सीटों में सतीश मिश्रा को कहीं से प्रत्याशी तो नहीं बनाया गया है, जबकि मायावती ने इस बार भी अपनी 2007 वाली सोशल इंजीनियरिंग का दांव बड़े स्तर पर लोकसभा चुनावों में चला है। 2007 की सोशल इंजीनियरिंग के दांव में सबसे बड़े सियासी इंजीनियर के तौर पर सतीश मिश्रा उभर कर सामने आये थे, जिसमें सवर्णों की भागीदारी मायावती की पार्टी में जबरदस्त तरीके से हुई थी। इस बार भी मायावती ने अभी तक अपनी जितनी सीटें घोषित की हैं,

उसमें तकरीबन 20 फीसदी के करीब सवर्ण प्रत्याशियों पर दांव लगाया है। इसी के चलते सतीश मिश्र को उत्तर प्रदेश की एक प्रमुख सीट पर लोकसभा का प्रत्याशी बनाए जाने की चर्चा हुई थी। बसपा के बड़े रणनीतिकारों में शामिल और स्टार प्रचारकों में तीसरे नंबर वाले सतीश चंद्र सोशल मीडिया पर भी उतने सक्रिय नहीं दिख रहे हैं। सतीश चंद्र मिश्रा के सोशल मीडिया अकाउंट ट्विटर (अब एक्स) पर एक जनवरी से लेकर अब तक कोई भी रजनीतिक रैलियों और जनसभाओं से संबंधित कोई भी पोस्ट नहीं हुआ है। हालांकि इतने दिनों में सतीश चंद्र मिश्रा ने बसपा की जारी हुई लोकसभा प्रत्याशियों की सूची को अपने प्रदेश अध्यक्ष के ट्विटर हैंडल को रिपोस्ट जरूर किया है। इसके अलावा 15 मार्च को काशीराम की जयंती पर उनका पोस्ट था। 15 मार्च को ही सतीश चंद्र मिश्रा ने बसपा सुप्रिीमो मायावती और उनके उत्तराधिकारी आकाश आनंद के ट्वीट को भी रिपोस्ट किया था। इसके अलावा सतीश मिश्रा के सोशल मीडिया अकाउंट पर मायावती की पोस्ट को रिपोस्ट गया है। हालांकि सतीश चंद्र मिश्रा के करीबियों का कहना है कि वह सोशल मीडिया की बजाय ग्राउंड पर ज्यादा सक्रिय रहते हैं, लेकिन पार्टी से ही जुड़े कुछ नेता दबी जुबान इस बात को स्वीकार करते हैं कि सतीश चंद्र मिश्रा अब न तो पुराने अंदाज में नजर आते हैं, और ना ही उनकी सक्रियता ग्राउंड पर उसनी दिखती है। हालांकि उत्तर प्रदेश के सियासी गलियारों में चर्चाएं इस बात की जमकर हो रही हैं कि बसपा में बीते कुछ समय में सतीश चंद्र मिश्रा का कद घटा है। राज्यसभा में कार्यकाल के समापन के बाद चर्चा इस बात की भी हुई थी कि बसपा के नेता सतीश चंद्र मिश्रा भाजपा का दामन थाम सकते हैं। लेकिन बसपा सुप्रिीमो मायावती ने सतीश चंद्र मिश्र को प्रबुद्ध वर्ग सम्पन्न को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश में दी थी। यह वही दौर था जब सतीश मिश्रा के करीबी रिश्तेदार नकुल डुवे ने बसपा का दामन छोड़कर कांग्रेस से रिश्ता जोड़ लिया था। उसे वक्त भी ऐसी कई अटकलें लगाई जा रही थीं कि सतीश चंद्र मिश्रा और बसपा के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है।

लोकसभा चुनाव में जयस का समर्थन कांग्रेस को

मैदान में नहीं खड़े होंगे संगठन के उम्मीदवार

इंदौर : लोकसभा चुनाव में मालवा निमाड़ की तीन आदिवासी सीटों पर कांग्रेस को जय आदिवासी युवा शक्ति संगठन (जयस) से मदद मिलेगी। जयस लोकसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार खड़े नहीं करेगा, बल्कि कांग्रेस को समर्थन देगा। जयस को स्थापना को 10 वर्ष हो चुके हैं। इन 10 वर्षों में जयस ने मालवा निमाड़ के आदिवासी क्षेत्रों में अच्छी पकड़ बनायी है। विधानसभा चुनाव में भी जयस ने अपने उम्मीदवार खड़े नहीं किए थे और तय समझौते के तहत प्रदेश में



जयस से जुड़े चार पदाधिकारियों को कांग्रेस ने टिकट दिए थे। मालवा निमाड़ में जयस ने कुक्षी, मनावर, धार, झाबुआ, आलीराजपुर, संघवा, बड़वानी, सैलाना सहित अन्य क्षेत्रों में युवा

वर्ग को जोड़ा है। बीते पांच सालों में इन क्षेत्रों में कई बड़े आयोजन भी आदिवासी समाज ने किए।

समर्थन के बदले मिल सकता है टिकट

विधानसभा चुनाव में पहले जयस ने उम्मीदवार खड़े करने का फैसला लिया था, लेकिन बाद में कांग्रेस के बड़े नेता से जयस पदाधिकारियों की बैठक हुई और चार सीटों पर जयस के उम्मीदवारों को टिकट देने पर सहमत बनी। इस बार भी जयस लोकसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार खड़े नहीं करेगा। जयस से जुड़े विधायक डॉ. हीरालाल अलावा ने कहा कि जयस

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को समर्थन देगा। एक लोकसभा सीट पर कांग्रेस से जुड़े पदाधिकारी को टिकट देने पर चर्चा हुई है।

धार में टिकट मिलने की उम्मीद

धार लोकसभा सीट पर कांग्रेस अपना टिकट बदल सकती है। यहां से कांग्रेस ने राधेश्याम मुवेल को टिकट दिया है, लेकिन उन्होंने अभी तक कार्यालय नहीं खोले। इस सीट से जयस से जुड़े महेंद्र कनौज को कांग्रेस उम्मीदवार बना सकती है। पिछले लोकसभा चुनाव में कनौज से जुड़े विधायक डॉ. हीरालाल अलावा ने नामांकन वापस ले लिया था।

रूठों को मनाने के लिए कांग्रेस ने बनाया प्लान : सचिन को जिम्मा

कांग्रेसी नेताओं के पार्टी छोड़ने के सिलसिले को देखते हुए छत्तीसगढ़ कांग्रेस अब अहम कदम उठाने जा रही है। पार्टी ने नाराज नेताओं को मनाने के लिए संवाद और संपर्क समिति का गठन किया है। यह समिति प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों पर रूठे नेताओं को मनाएगी। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता इनके घर पहुंचकर इनसे चर्चा भी करेंगे। इस बीच प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट भी दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ पहुंच रहे हैं। पायलट भी समिति के सदस्यों से चर्चा कर उनसे फीडबैक ले सकते हैं। छत्तीसगढ़ कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने बताया कि विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद से ही कांग्रेस नेताओं का पार्टी छोड़ने का सिलसिला जारी है। अब डेमेज कंट्रोल के लिए चार दिन पहले आठ अप्रैल को समिति का गठन किया गया है, ताकि नेताओं से बातचीत कर उन्हें पार्टी में रोककर रखा जा सके। समिति में दो पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, छह पूर्व मंत्री, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष समेत पार्टी के सीनियर नेताओं को शामिल किया गया है। पार्टी ने समिति के सदस्यों को लोकसभावार जिम्मेदारी सौंपी है। सभी जिम्मेदार नेताओं को अपने क्षेत्र में तैनात रहने के निर्देश दिए गए हैं। समिति में शामिल एक सदस्य ने बताया कि कमेटी के गठन होने के दूसरे दिन ही सभी नेताओं की एक बैठक हुई। इसमें आगामी रणनीति तैयार की गई। समिति प्रदेश भर में संवाद और संपर्क का काम करेगी।

इ.स.



समिति के माध्यम से पार्टी के नाराज नेताओं से संपर्क कर पार्टी और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बनाने का काम करेगी। सूची में सभी सीनियर नेताओं को जगह दी गई है, ताकि वे नेता पुराने से लेकर नए सभी कार्यकर्ताओं की बात सुनकर उनकी समस्याओं का समाधान कर सकें। समिति के कुछ सदस्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट से भी मुलाकात करेंगे। बीते तीन दिन में जिन नाराज नेताओं से चर्चा हुई है, इसकी जानकारी उन्हें दी। समिति संयोजक धनंंद साहू ने बताया था कि कई बार लोग स्थानीय मुद्दों को लेकर भी लोग नाराज रहते हैं और पार्टी छोड़ देते हैं। ऐसी परिस्थितियों की जानकारी लेकर भी हम उनसे बात कर सकें, इसके लिए समिति का गठन किया गया है।

दो दिन छग में रहेंगे पायलट

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। आज वे जगदलपुर में राहुल गांधी के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेंगे। वहीं दूसरे दिन राहुल की सभा में भी वे मौजूद रहेंगे। सचिन पायलट शुक्रवार को तीन बजे जगदलपुर में मां दैश्वरी एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। साढ़े तीन बजे उनकी सभा लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा के बाद अब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी 13 अप्रैल को बस्तर दौरे पर पहुंचने वाले हैं। इसे लेकर कांग्रेस ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। राहुल जगदलपुर के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में जनसभा करेंगे। दूसरे चरण के चुनाव के लिए कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के छत्तीसगढ़ दौरे की संभावना है। राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पक्ष में प्रियंका गांधी की सभाएं तय हो रही हैं। संगठन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, 20 अप्रैल को प्रियंका गांधी का छत्तीसगढ़ दौरा हो सकता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की दो संसदीय क्षेत्रों में चुनावी जनसभाओं का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इनमें जांजगीर और रायगढ़ लोकसभा क्षेत्रों में स्थानीय समीकरणों के आधार पर राष्ट्रीय अध्यक्ष की सभा करने पर जोर दिया गया है।

विरासत को आगे न बढ़ा पायी मांडा की हवेली

वीपी सिंह के बाद परिवार का कोई सदस्य नहीं जमा पाया पैर

प्रयागराज : मंडल कमीशन की सिफारिशें लापू कर सामाजिक ताने-बाने में उथल-पुथल मचाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह के बाद उनके परिवार का कोई चेहरा राजनीति में उभर न पाया। विरासत में मिली राजनैतिक हैसियत के दम पर उनके पुत्र अजय सिंह एक बार फतेहपुर संसदीय क्षेत्र से मैदान में उतरे तो नतीजा बेहद निराशाजनक रहा। वीपी सिंह मांडा राजघराने से ताल्लुक रखते थे। पुराने लोग उन्हें राजा मांडा ही कहा करते थे। हालांकि, उनका राजनीतिक जीवन राज वैभव से जुड़ा रहा। तभी तो उनके लिए नारा गढ़ा गया- राजा नहीं फकीर है, भारत की तकदीर है। शुरुआत से लेकर राजनीतिक अवसान तक भ्रष्टाचार को उन्होंने मुद्दा बनाए रखा। कहना गलत न होगा कि 1990 में मंडल कमीशन की सिफारिशें लापू होने के बाद दलित और पिछड़ा वर्ग में जो उभार आया, उसके पीछे वीपी सिंह का बाड़ा।

हाथ है। ये अलग बात है कि बाद में क्षेत्रीय पार्टियों ने इसे कैश कर अपना राजनीतिक आधार बना लिया और वीपी हाथिये पर चले गए।

दिवाकर विक्रम ने भाजपा से मांगा था टिकट

चदुर-सुजान राजनीतिज्ञ के जाने बाद उनके परिवार के सदस्य राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं। वीपी सिंह के बेटे अजय सिंह ने 2009 में फतेहपुर से जन मोर्चा पार्टी से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। वह चुनाव नहीं लड़ रहे हैं...विपक्षियों की इस अफवाह को खारिज करने में अजय असफल रहे। नतीजा यह रहा कि उनके वोट सपा के राकेश सचान झटक ले गए। उन्हें बहुत ही कम मत मिले थे। अजय के बाद अब वीपी सिंह के भाई कुंवर हरिवक्श सिंह के पोते दिवाकर विक्रम सिंह हाथ-पांव मार रहे हैं। बकील दिवाकर, क्षेत्र पिछड़ा हुआ है। लोगों को उनसे बड़ी उम्मीदें हैं। वर्ष 2019 में तैयारी पूरी न होने कारण चुनाव नहीं लड़ा। इस बार उन्होंने भाजपा से टिकट भी मांगा था।

फि लाहाला, राजनीतिक पार्टियों को भी मांडा रेट्टे से कोई लाभ नजर नहीं आता। इसलिए दूरी बना रखी है।

...तो ऐसे बने थे वीपी मुख्यमंत्री

वीपी सिंह के करीबी रहे मांडा के पूर्व ब्लॉक प्रमुख मंगल देव द्विवेदी बताते हैं कि सन् अस्सी में कांग्रेस विधायक दल का नेता चुनने के लिए संजय गांधी ने वीपी सिंह, धर्मवीर और जगदीश टाइलर को स्पेशल प्लेन से उत्तर प्रदेश भेजा था। धर्मवीर ने प्रस्ताव रखा कि संजय गांधी को मुख्यमंत्री बनाया जाए। प्रस्ताव अनुमोदित होने के बाद तीनों नेता दिल्ली पहुंचे। धर्मवीर एक माला लेकर गए थे। संजय गांधी को फैसला मालूम चल गया था। फिर भी उन्होंने पूछा कि किसे चुना। धर्मवीर ने बताया कि विधायकों ने आपको मुख्यमंत्री के रूप में चुना है। संजय ने कतार में पीछे खड़े वीपी सिंह को बुलाया और कहा कि इसी प्लेन से वापस जाएं। राज्यपाल से कहिए कि शपथ की तैयारी करें। आप (वीपी सिंह) मुख्यमंत्री होंगे।

पंचांग, राशिफल, शब्द पहेली, सूडोकू

आज का राशिफल : 13 अप्रैल, 2024

मेघ : आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शूनै:-शूनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

वृष : स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहे। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन : कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अपेक्षता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय अरुण के पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में न पड़कर अपने पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क : आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह : स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या : आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा, इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संचालें। शुभांक-2-4-6

तुला : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अत्य लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक : मनोविनोद बढ़ेगा। व्याधिष्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहायुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर : किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहायुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

मीन : ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संचालें। मायूस न हो समय चक्र है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

आय-व्यय	वर्गों में वर्गीकृत	अन्य की नोट
1. आय-व्यय	2. आय-व्यय	3. आय-व्यय
4. आय-व्यय	5. आय-व्यय	6. आय-व्यय
7. आय-व्यय	8. आय-व्यय	9. आय-व्यय
10. आय-व्यय	11. आय-व्यय	12. आय-व्यय
13. आय-व्यय	14. आय-व्यय	15. आय-व्यय
16. आय-व्यय	17. आय-व्यय	18. आय-व्यय
19. आय-व्यय	20. आय-व्यय	21. आय-व्यय
22. आय-व्यय	23. आय-व्यय	24. आय-व्यय
25. आय-व्यय	26. आय-व्यय	27. आय-व्यय
28. आय-व्यय	29. आय-व्यय	30. आय-व्यय
31. आय-व्यय	32. आय-व्यय	33. आय-व्यय
34. आय-व्यय	35. आय-व्यय	36. आय-व्यय
37. आय-व्यय	38. आय-व्यय	39. आय-व्यय
40. आय-व्यय	41. आय-व्यय	42. आय-व्यय
43. आय-व्यय	44. आय-व्यय	45. आय-व्यय
46. आय-व्यय	47. आय-व्यय	48. आय-व्यय
49. आय-व्यय	50. आय-व्यय	51. आय-व्यय
52. आय-व्यय	53. आय-व्यय	54. आय-व्यय
55. आय-व्यय	56. आय-व्यय	57. आय-व्यय
58. आय-व्यय	59. आय-व्यय	60. आय-व्यय
61. आय-व्यय	62. आय-व्यय	63. आय-व्यय
64. आय-व्यय	65. आय-व्यय	66. आय-व्यय
67. आय-व्यय	68. आय-व्यय	69. आय-व्यय
70. आय-व्यय	71. आय-व्यय	72. आय-व्यय
73. आय-व्यय	74. आय-व्यय	75. आय-व्यय
76. आय-व्यय	77. आय-व्यय	78. आय-व्यय
79. आय-व्यय	80. आय-व्यय	81. आय-व्यय
82. आय-व्यय	83. आय-व्यय	84. आय-व्यय
85. आय-व्यय	86. आय-व्यय	87. आय-व्यय
88. आय-व्यय	89. आय-व्यय	90. आय-व्यय
91. आय-व्यय	92. आय-व्यय	93. आय-व्यय
94. आय-व्यय	95. आय-व्यय	96. आय-व्यय
97. आय-व्यय	98. आय-व्यय	99. आय-व्यय
100. आय-व्यय	101. आय-व्यय	102. आय-व्यय

आय-व्यय	वर्गों में वर्गीकृत	अन्य की नोट
1. आय-व्यय	2. आय-व्यय	3. आय-व्यय
4. आय-व्यय	5. आय-व्यय	6. आय-व्यय
7. आय-व्यय	8. आय-व्यय	9. आय-व्यय
10. आय-व्यय	11. आय-व्यय	12. आय-व्यय
13. आय-व्यय	14. आय-व्यय	15. आय-व्यय
16. आय-व्यय	17. आय-व्यय	18. आय-व्यय
19. आय-व्यय	20. आय-व्यय	21. आय-व्यय
22. आय-व्यय	23. आय-व्यय	24. आय-व्यय
25. आय-व्यय	26. आय-व्यय	27. आय-व्यय
28. आय-व्यय	29. आय-व्यय	30. आय-व्यय
31. आय-व्यय	32. आय-व्यय	33. आय-व्यय
34. आय-व्यय	35. आय-व्यय	36. आय-व्यय
37. आय-व्यय	38. आय-व्यय	39. आय-व्यय
40. आय-व्यय	41. आय-व्यय	42. आय-व्यय
43. आय-व्यय	44. आय-व्यय	45. आय-व्यय
46. आय-व्यय	47. आय-व्यय	48. आय-व्यय
49. आय-व्यय	50. आय-व्यय	51. आय-व्यय
52. आय-व्यय	53. आय-व्यय	54. आय-व्यय
55. आय-व्यय	56. आय-व्यय	57. आय-व्यय
58. आय-व्यय	59. आय-व्यय	60. आय-व्यय
61. आय-व्यय	62. आय-व्यय	63. आय-व्यय
64. आय-व्यय	65. आय-व्यय	66. आय-व्यय
67. आय-व्यय	68. आय-व्यय	69. आय-व्यय
70. आय-व्यय	71. आय-व्यय	72. आय-व्यय
73. आय-व्यय	74. आय-व्यय	75. आय-व्यय
76. आय-व्यय	77. आय-व्यय	78. आय-व्यय
79. आय-व्यय	80. आय-व्यय	81. आय-व्यय
82. आय-व्यय	83. आय-व्यय	84. आय-व्यय
85. आय-व्यय	86. आय-व्यय	87. आय-व्यय
88. आय-व्यय	89. आय-व्यय	90. आय-व्यय
91. आय-व्यय	92. आय-व्यय	93. आय-व्यय
94. आय-व्यय	95. आय-व्यय	96. आय-व्यय
97. आय-व्यय	98. आय-व्यय	99. आय-व्यय
100. आय-व्यय	101. आय-व्यय	102. आय-व्यय

आय-व्यय	वर्गों में वर्गीकृत	अन्य की नोट
1. आय-व्यय	2. आय-व्यय	3. आय-व्यय
4. आय-व्यय	5. आय-व्यय	6. आय-व्यय
7. आय-व्यय	8. आय-व्यय	9. आय-व्यय
10. आय-व्यय	11. आय-व्यय	12. आय-व्यय
13. आय-व्यय	14. आय-व्यय	15. आय-व्यय
16. आय-व्यय	17. आय-व्यय	18. आय-व्यय
19. आय-व्यय	20. आय-व्यय	21. आय-व्यय
22. आय-व्यय	23. आय-व्यय	24. आय-व्यय
25. आय-व्यय	26. आय-व्यय	27. आय-व्यय
28. आय-व्यय	29. आय-व्यय	30. आय-व्यय
31. आय-व्यय	32. आय-व्यय	33. आय-व्यय
34. आय-व्यय	35. आय-व्यय	36. आय-व्यय
37. आय-व्यय	38. आय-व्यय	39. आय-व्यय
40. आय-व्यय	41. आय-व्यय	42. आय-व्यय
43. आय-व्यय	44. आय-व्यय	45. आय-व्यय
46. आय-व्यय	47. आय-व्यय	48. आय-व्यय
49. आय-व्यय	50. आय-व्यय	51. आय-व्यय
52. आय-व्यय	53. आय-व्यय	54. आय-व्यय
55. आय-व्यय	56. आय-व्यय	57. आय-व्यय
58. आय-व्यय	59. आय-व्यय	60. आय-व्यय
61. आय-व्यय	62. आय-व्यय	63. आय-व्यय

ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज के चौथे मैच में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को 3-1 से हराया



पर्थ (हि.स.)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम यहां पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के अपने चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-3 से हार गई।

भारत के लिए एकमात्र गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह (12%) ने किया। वहीं, जेरेमी हेवर्ड (19%, 47%) और जैक वेल्च (54%) ने

गोल करके ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत आक्रामक रुख के साथ की। शुरुआती मिनट में, मनदीप सिंह ने एक शक्तिशाली शॉट लगाया, जिसे ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर एंड्रयू चार्टर ने बचा लिया। हालाँकि, मेजबान टीम ने भी पलटवार किया, और उसे लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, जिन्हें वे भुना नहीं सके। पहला क्वार्टर समाप्त होने से ठीक पहले, हरमनप्रीत सिंह (12%) ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी।

दो क्वार्टर के बीच, ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर में पूरी ताकत झोंक दी और दो त्वरित पेनल्टी कॉर्नर भी जीते, और वे दूसरे का फायदा उठाने में सफल रहे, जब जेरेमी हेवर्ड (19%) ने कुशलतापूर्वक गेंद को गोल पोस्ट में डलकर ऑस्ट्रेलिया को 1-1 की बराबरी दिला दी।

हाफटाइम तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं

भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत आक्रामक रुख के साथ की और शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया जो दुर्भाग्य से गोल में तब्दील नहीं हो सका। दूसरी ओर,

ऑस्ट्रेलिया ने बॉल रिटेंशन को प्राथमिकता दी और भारत की रक्षापंक्ति को भेदने के लिए त्वरित पास का उपयोग किया। मेजबान टीम पर दबाव बनाए रखने के लिए भारत द्वारा जवाबी हमला करने की रणनीति अपनाने के बावजूद, कोई भी टीम तीसरे क्वार्टर में गतिरोध तोड़ने में कामयाब नहीं रही।

अंतिम और चौथे क्वार्टर की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया द्वारा तेजी से सर्कल में प्रवेश करने और लगातार पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करने के साथ हुई। जेरेमी हेवर्ड ने एक बार फिर अपनी ताकत का प्रदर्शन करते 47वें मिनट में एक गोल किया और अपनी टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई।

मैच के 54वें मिनट में जैक वेल्च ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके मेजबान टीम की बढ़त 3-1 कर दी। इसके बाद भारतीय टीम लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने के बावजूद, किसी को भी गोल में परिवर्तित नहीं कर सके, परिणामस्वरूप अंतिम सीटी बजने पर ऑस्ट्रेलिया ने मैच 3-1 से अपने पक्ष में कर लिया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने दौरे के पांचवें और आखिरी मैच में 13 अप्रैल 2024 को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

आरसी प्रो सीरीज स्कैंश के क्वार्टर फाइनल में हारी आकांक्षा सालुंखे



नई दिल्ली (हि.स.)। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी आकांक्षा सालुंखे अमेरिका के सेंट वुड्स में चल रहे पीएसए चैलेंजर टूर इवेंट आरसी प्रो सीरीज स्कैंश के क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गईं। 15,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले आरसी प्रो सीरीज स्कैंश के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में आकांक्षा को मिस्त्र की जना सफ़ी से 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। राष्ट्रीय खेलों की मौजूदा स्कैंश चैंपियन आकांक्षा शुरुआती और तीसरा गेम जीतने के बाद करीबी मुकाबले में 11-8, 3-11, 11-9, 5-11, 3-11 से हार गईं। आकांक्षा को शुरुआती दौर में बाई मिली थी। उन्होंने दूसरे दौर में नॉर्वे की मेडेलीन हाइलैंड को 3-2 (13-15, 11-6, 9-11, 11-5, 11-6) से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई थी।

पेरिस ओलंपिक का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त तक फ्रांस की राजधानी में होना है



खालसा और इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली (हि.स.)। मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज और खालसा कॉलेज एलुमनी ने तीसरे पीएसपीबी

बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। गुरुवार को अंतिम लीग मैच में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने हंसराज कॉलेज को 14-0 से हराया। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज की तरफ से अंकित ने पांच गोल, पवन और पुलकित ने 3-3 गोल, मोहित ने दो गोल और सागर ने एक गोल किए। मैम ऑफ द मैच का अवार्ड श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज के पुलकित को मिला।

पुरुष वर्ग का पहला सेमीफाइनल मैच श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज एलुमनी और इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने श्याम प्रसाद मुखर्जी कॉलेज को 8-0 से हराया। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट की तरफ से कंचन और संगीता ने 3-3 गोल और नेहा और पंकि ने एक गोल किए। वूमेन ऑफ द मैच का अवार्ड इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट की संगीता को मिला।

पेरिस ओलंपिक: मैरी कॉम ने भारतीय दल के शेफ-डी-मिशन पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (हि.स.)। बॉक्सिंग लीजेंड और 2012 ओलंपिक खेलों की कांस्य पदक विजेता एमसी मैरी कॉम ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय दल के शेफ-डी-मिशन पद से इस्तीफा दे दिया है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने घोषणा की कि मैरी कॉम ने उन्हें संबोधित एक पत्र में अपने पद से मुक्त होने के लिए कहा था। आईओए अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में, मैरी कॉम ने कहा कि वह पेरिस 2024 में शेफ डी मिशन के रूप में सेवा करने के लिए उन पर विश्वास जताने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ की आभारी हैं। उन्होंने लिखा, मैं हर संभव तरीके



से अपने देश की सेवा करना सम्मान की बात मानती हूं और मैं इसके लिए मानसिक रूप से तैयार थी। हालांकि, मुझे अफसोस है कि मैं इस प्रतिष्ठित जिम्मेदारी को निभाने में सक्षम नहीं हो पाऊंगी

और व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा देना चाहूंगी। एक प्रतिबद्धता से पीछे हटना शर्मनाक है, जो मैं शायद ही कभी करती हूं, लेकिन मेरे पास कोई विकल्प नहीं बचा है। आईओए प्रमुख ने एक बयान में

कहा, हमें दुख है कि ओलंपिक पदक विजेता मुक़ेबाज और आईओए एथलीट आयोग की अध्यक्ष मैरी कॉम ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ दिया है। हम उनके फैसले

और उनकी गोपनीयता का सम्मान करते हैं। मैं उचित परामर्श करूंगी और जल्द ही मैरी के प्रतिस्थापन के बारे में घोषणा करूंगी। उन्होंने कहा, मैं उनके अनुरोध को पूरी तरह से समझती हूँ और उनके फैसले का सम्मान करती हूँ। मैंने उन्हें यह भी बताया है कि उन्हें हमेशा मेरा और आईओए का समर्थन मिलेगा। मैं सभी से उनकी गोपनीयता का सम्मान करने का भी अनुरोध करती हूँ। 41 वर्षीय मुक़ेबाज ने ओलंपिक खेलों (2016 रियो और 2020) के दो संस्करणों में देश का प्रतिनिधित्व किया है, लंदन में 2012 खेलों में कांस्य जीता लेकिन टोक्यो में पदक से चूक गईं।

लखनऊ के खिलाफ मुकाबले से पहले दिल्ली के कोच पोटिंग ने कहा-हम सुनिश्चित करेंगे कि मैच के बाद हमें पछतावा न हो

लखनऊ (हि.स.)। जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह-स्वामित्व वाली फेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स आज शाम लखनऊ के एकाना स्टेडियम में आईपीएल 2024 के अपने छठे मैच में लखनऊ सुपर जाइंट्स से भिड़ने के लिए तैयार है। दिल्ली कैपिटल्स ने अब तक पांच मैचों में से एक में जीत दर्ज की है। टीम के प्रदर्शन पर दिल्ली के मुख्य कोच रिकी पोटिंग ने कहा, हमारा सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट वास्तव में अच्छा रहा है, लेकिन लगभग हर मैच में तीन या चार ओवर हमारे लिए अंतर रहे हैं। हमने देर से आखिरी ओवरों में बहुत सारे रन दिए हैं और जब हमें महत्वपूर्ण रन चेज का सामना करना पड़ा, तो हम उन्हें पूरा करने में सक्षम नहीं हो सके। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, हमें लगता है कि अगर हम अपने सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट के 40 ओवर एक साथ डाल दें, तो हम प्रतियोगिता

में किसी भी टीम को हरा सकते हैं और उम्मीद है कि यह लखनऊ के खिलाफ मैच में होगा। पोटिंग ने कुलदीप यादव और मुकेश कुमार की फिटनेस पर अपडेट देते हुए कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं कि वे दोनों उपलब्ध होंगे। हम अपनी पूरी ताकत वाली टीम के साथ आगे बढ़ेंगे और उम्मीद है कि वे दोनों हमारे लिए फिट होंगे। अगले मैच की तैयारियों के बारे में पोटिंग ने कहा, हम जानते हैं कि हमें जल्द ही अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलना शुरू करना होगा। खेल के प्रति हमारा समग्र दृष्टिकोण नहीं बदला है। हम जानते हैं कि हमें किन चीजों पर ध्यान देना है। हम 100% तैयार हैं और अंत में यह सुनिश्चित करेंगे कि मैच के अंत में हमें कोई पछतावा न हो।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप : सिंधु, प्रणय की हार के साथ भारत का अभियान समाप्त

बीजिंग (हि.स.)। बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2024 में गुरुवार को भारत का अभियान दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और एचएस प्रणय के क्रमशः महिला और पुरुष एकल वर्ग के अंतिम 16 दौर में हार के साथ समाप्त हो गया। सिंधु चीन के निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में 69 मिनट तक चले मैच में दुनिया की 7वें नंबर की खिलाड़ी हान यू से 18-21, 21-13, 17-21 के स्कोर से हार गईं। सिंधु की छह मैचों में चीनी शटलर ने पहले गेम में जीत हासिल की और दूसरे में दबदबा बनाए रखा और ब्रेक के समय छह अंक से आगे रहीं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता 15-10 से आगे थीं, लेकिन हान यू ने लगातार छह अंक जीतकर बढ़त हासिल कर ली और फिर पहला गेम जीतने देना है। हम 100% तैयार हैं और अंत में यह सुनिश्चित करेंगे कि मैच के अंत में हमें कोई पछतावा न हो।

ले गईं। हालांकि चीनी शटलर ने तीसरा गेम जीतकर सिंधु का बाहर कर दिया। इससे पहले सिंधु ने बुधवार को पहले दौर में पूर्व युथ ओलंपिक गेम्स विजेता मलेशिया की गोह जिन वेई को हराया था। पुरुष एकल में विश्व में नौवें स्थान पर रहे प्रणय को चीनी ताइपे के लिन चुन-यी, ने 18-21, 11-21 से हरा दिया। प्रणय ने पहले गेम में चार अंकों से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 15 अंकों के स्कोर पर गेम बराबर कर लिया। लेकिन लिन चुन-यी से पहले गेम में जीत हासिल की और दूसरे गेम में भारतीय शटलर को कोई मौका नहीं दिया। अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रैस्टो दोनों महिला युगल टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। पोनप्पा और क्रैस्टो, भारत की विश्व में 20वें नंबर की सर्वोच्च रैंक वाली जोड़ी, को नामी मत्सुयामा और चिहारू शिदा की विश्व नंबर 3 जोड़ी ने 49 मिनट में 21-17 और 21-12 से हराया।

मुझे डोपिंग में फंसाने की साजिश हो सकती है: विनेश फोगाट



नई दिल्ली (हि.स.)। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) प्रमुख संजय सिंह पर उन्हें आगामी 2024 पेरिस ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करने से रोकने की कोशिश करने का आरोप लगाया। फोगाट ने शुक्रवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह और उनके सहयोगी भारत की कुश्ती संस्था के प्रमुख संजय सिंह के खिलाफ बदलाव की मांग की और कहा कि वे मैच के दौरान उनके पानी में कुछ मिलाकर उन्हें पिला सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके निजी कोच और फिजियोथेरेपिस्ट को 19 अप्रैल से शुरू होने वाले एशियाई ओलंपिक योग्यता कार्यक्रम के लिए मान्यता देने से वंचित कर दिया गया था। फोगाट ने एक्स पर पोस्ट किया, एशियाई ओलंपिक क्वालीफाईंग टूर्नामेंट 19 अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। पिछले एक महीने से, मैं अपने कोच और फिजियो की मान्यता के लिए भारत सरकार (साई, टॉप्स) से अनुरोध कर रही हूं। मान्यता के बिना, मेरे कोच और फिजियो मेरे साथ प्रतियोगिता मैदान में नहीं जा सकेंगे। लेकिन बार-बार अनुरोध करने के बावजूद भी मुझे कहीं से कोई ठोस जवाब नहीं मिल रहा है। क्या खिलाड़ियों के भविष्य के साथ हमेशा इसी तरह खिलवाड़ किया जाएगा? दिग्गज पहलवान ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें डोपिंग में फंसाने की साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा, हमें मानसिक रूप से परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। बृज भूषण

और संजय सिंह मुझे ओलंपिक में खेलने से रोकने के लिए हर तरह से कोशिश कर रहे हैं। टीम के साथ नियुक्त किए गए सभी कोच बृज भूषण और उनकी टीम के पसंदीदा हैं, इसलिए इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि वे मेरे पानी में कुछ मिलाकर मुझे मैच के दौरान पिला दें? अगर मैं कहूँ कि मुझे डोपिंग में फंसाने की साजिश हो सकती है, तो यह गलत नहीं होगा। हमें मानसिक रूप से परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। फोगाट ने पूछा कि क्या उन्हें डॉक्टर किया जा रहा है क्योंकि उन्होंने यौन उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई है। उन्होंने कहा, इतनी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता से पहले हमें इस तरह प्रताड़ित करना कहां तक उचित है? क्या देश के लिए खेलने जाने से पहले हमें राजनीति का सामना करना पड़ेगा क्योंकि हमने यौन उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई थी? क्या यह हमारे देश में गलत के खिलाफ आवाज उठाने की सजा है। मुझे उम्मीद है कि देश के लिए खेलने जाने से पहले हमें न्याय मिलेगा। जय हिंद। भारतीय विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पहलवान फोगाट, जिन्होंने हाल ही में पटियाला में महिलाओं के 50 किलोग्राम ट्रायल में जीत हासिल की, एशियाई चैंपियनशिप और ओलंपिक क्वालीफायर के लिए किर्गिस्तान जाएंगी। एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 11 से 16 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी, जबकि एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर 19 से 21 अप्रैल तक आयोजित किए जाएंगे।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार सर्वकालिक उच्चतम स्तर 648.56 अरब डॉलर पर

मुंबई/नई दिल्ली (हि.स.)। आर्थिक मॉंचे पर अच्छी खबर आई है। लगातार सातवें हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा दर्ज हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच अप्रैल को समाप्त हफ्ते में 2.98 अरब डॉलर से अधिक बढ़कर 648.56 अरब डॉलर के सर्वकालिक रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को आंकड़ों में बताया कि पांच अप्रैल को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.98 अरब डॉलर से ज्यादा बढ़कर 648.56 अरब डॉलर के सर्वकालिक रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर जा पहुंचा है। इससे पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 2.95 अरब डॉलर बढ़कर 645.58 अरब डॉलर हो गया था। इससे पहले सितंबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 642.45 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। आंकड़ों के मुताबिक विदेशी मुद्रा भंडार के अहम घटक विदेशी मुद्रा अस्तित्वां 54.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 571.17 अरब डॉलर हो गईं। रिजर्व बैंक के मुताबिक इस दौरान स्वर्ण भंडार का आरक्षित का मूल्य 2.39 अरब डॉलर बढ़कर 54.56 अरब डॉलर हो गया। वहीं, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.17 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा राशि भी 90 लाख डॉलर बढ़कर 4.669 अरब डॉलर हो गई है।

देश का औद्योगिक उत्पादन फरवरी महीने में 5.7 फसदी बढ़ा

नई दिल्ली (हि.स.)। अर्थव्यवस्था के मॉंचे पर अच्छी खबर आई है। देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) फरवरी में सालाना आधार पर 5.7 फीसदी बढ़ा है। इससे पिछले साल की समान अवधि में यह छह फीसदी की दर से बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि फरवरी महीने में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 5.7 फीसदी रही है। जनवरी में यह 3.8 फीसदी था, जबकि दिसंबर 2023 में यह 4.2 फीसदी था। इससे पिछले साल फरवरी 2023 में यह छह फीसदी की दर से बढ़ा था। एनएसओ के जारी आंकड़ों के मुताबिक फरवरी में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन पांच फीसदी बढ़ा है, जो एक साल पहले के समान अवधि में 5.9 फीसदी बढ़ा था। इसी तरह फरवरी में खनन का उत्पादन 8 फीसदी और बिजली क्षेत्र का उत्पादन 7.5 फीसदी बढ़ा। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-फरवरी के दौरान आईआईपी 5.9 फीसदी की दर से बढ़ा है, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में यह आंकड़ा 5.6 फीसदी रहा था। गौरतलब है कि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का पिछला उच्चतम स्तर अक्टूबर 2023 में 11.9 फीसदी दर्ज किया गया था, जो नवंबर, 2023 में घटकर 2.5 फीसदी पर आ गया था।

अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए विशेष रत्न- आभूषण शो का किया शुभारंभ

जयपुर (हि.स.)। जीजेईपीसी ने जयपुर में अंतरराष्ट्रीय रत्न और आभूषण शो के तीसरे संस्करण को होस्ट किया। यह आयोजन 12 से 14 अप्रैल तक नोवोटेल् जयपुर कन्वेंशन सेंटर जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। ज्ञात हो कि आईजीजेएस 2024 जयपुर जेमफैबल्ड्स द्वारा संचालित है। आईजीजेएस में अल्जीरिया, अजर्जैना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, मिस्र, ग्रीस, ईरान, इटली, जॉर्डन, कजाकिस्तान, केन्या, लेबनान, मैक्सिको, रूसी संघ, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन स्विट्ज़रलैंड, थाईलैंड, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, यूक्रेन, यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका और उज्बेकिस्तान सहित 27 देशों के 250 अंतरराष्ट्रीय खरीदार शामिल हुए। जीजेईपीसी के अध्यक्ष विपुल शाह ने कहा भारत का रत्न और आभूषण उद्योग विश्व बाजार में महत्वपूर्ण योगदान के साथ वैश्विक लीडर के रूप में एक प्रमुख स्थान रखता है। 40 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हमारा वार्षिक निर्यात इस क्षेत्र में हमारी ताकत और विशेषज्ञता को रेखांकित करता है, 5 मिलियन से अधिक व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान करता है। हम भारत और वैश्विक बाजारों के बीच मजबूत अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह प्रतिबद्धता टुआईजीजेएस शो जैसी पहलों और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भागीदारी के माध्यम से हमारे निर्यातकों के लिए अवसरों को सक्रिय रूप से सक्षम करके प्रदर्शित की गई है। शाह ने आगे कहा, जीजेईपीसी क्षेत्र के लिए एफटीए में अनुकूल नीतियों को सुविधाजनक बनाने के लिए सरकार के साथ सक्रिय रूप से काम कर रही है। हम पहले ही भारत-यूएई सीईपीए का सकारात्मक प्रभाव देख चुके हैं, और हम जीसीसी के साथ कनाडा, यूके और ईयू के साथ आगामी एफटीए में उद्योग के लिए इसी तरह के फायदे की आशा करते हैं। नीलेश कोटारी, संयोजक, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी, जीजेईपीसी ने कहा, आईजीजेएस जयपुर, अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए एक विशेष शो, वैश्विक बाजार की सेवा करने के लिए भारत की आभूषण विनिर्माण क्षमता का एक प्रमाण है। शो का यह प्रारूप बेहद सफल रहा है और इसे दुनिया भर के खरीदारों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

खुदरा महंगाई दर मार्च में पांच महीने के निचले स्तर 4.85 फीसदी पर

नई दिल्ली (हि.स.)। महंगाई के मोचें पर आम लोगों को राहत देने वाली खबर है। मार्च में खुदरा महंगाई दर घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.85 फीसदी पर आ गई है। इससे पिछले महीने फरवरी में खुदरा महंगाई दर 5.09 फीसदी थी और जनवरी में यह दर 5.10 फीसदी रही थी जबकि मार्च, 2023 में यह 5.66 फीसदी पर रही थी। एनएसओ के आंकड़ों के मुताबिक मार्च में खाद्य उत्पादों की महंगाई दर 8.52 फीसदी रही है जबकि एक महीने पहले फरवरी में यह 8.66 फीसदी थी। हालाँकि, ग्रामीण सामान्य मानसून की उम्मीद जताते हुए चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 4.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई ने अप्रैल-जून तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति 4.9 फीसदी और वित्तबर तिमाही में 3.8 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

देश के 9 करोड़ व्यापारियों ने प्रधानमंत्री मोदी को समर्थन देने का किया ऐलान

नई दिल्ली (हि.स.)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा राजधानी नई दिल्ली में आयोजित एक राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन में देश के 28 राज्यों के 200 से अधिक प्रमुख व्यापारी नेताओं ने शुक्रवार को ऐलान किया कि वर्तमान लोकसभा चुनाव में देश के 9 करोड़ से अधिक व्यापारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा का खुल कर समर्थन करेंगे। कारोबारी नेताओं ने कहा कि वे यह भी सुनिश्चित करेंगे कि भाजपा इस बार चार सौ पार हो और एक बार फिर से देश में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बने। व्यापारियों को संबोधित करते हुए चांदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि देश के 9 करोड़ व्यापारी और उनसे जुड़े परिवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़े है। उन्होंने कहा कि इस बार रिकॉर्ड मत से देश के प्रत्येक सीट पर भाजपा को जीत दिलाने के लिए अपने-अपने स्तर पर जुट गए हैं। खंडेलवाल ने कहा कि व्यापारी मोदी की गारंटी को घर घर तक पहुंचाएंगे, क्योंकि व्यापारियों ने हमेशा से ही मोदी द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों का समर्थन किया है और आगे भी करता रहेगा। भाजपा प्रत्याशी खंडेलवाल ने कहा कि मैंने खुद को देशभर के व्यापारियों के विकास और उनके हितों में कार्य करने के लिए महादेव की सौगंध में बांध लिया है। लोकसभा का चुनाव जीतने के बाद पट्टी पर बैठ कर व्यापारियों के हितों के लिए लड़ता रहूंगा और कार्य करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि कैट के इस सम्मेलन में जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल सहित अन्य सभी राज्यों से आए व्यापारी नेताओं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं, उन्होंने एक पुख्ता रणनीति के तहत जीत की राह सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है। खंडेलवाल ने कहा कि देश के प्रमुख व्यापारियों के इस विशाल मार्च ने एक बात की पुष्टि कर दी है कि भारत का 9 करोड़ व्यापारी समुदाय मोदी परिवार का हिस्सा है और अब ये व्यापारी उनकी जीत का मार्ग सुनिश्चित करेंगे। कैट के आयोजित इस व्यापारी सम्मेलन में देश के कोने-कोने से आए प्रमुख व्यापारियों का उत्साह देखने योग्य था। सम्मेलन में लोकसभा चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और एक मजबूत रणनीति के तहत एक-एक वोट को अपना बनाने का प्रण लेकर व्यापारियों ने दिल्ली के लाल किला का रुख किया। व्यापारियों ने वहां बड़ी संख्या में एकत्रित होकर घंटा घर चांदनी चौक तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में मार्च निकाला। इसके अलावा व्यापारियों ने चांदनी चौक की प्रत्येक दुकानों और लोगों से सम्पर्क साधा और चांदनी चौक के विभिन्न व्यापारी संगठनों ने भी मोदी समर्थन मार्च का हिस्सा बन अपना पूर्ण समर्थन जाहिर किया।

मुनाफावसूली के दबाव में लुट्का बाजार, निवेशकों को 2.42 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली (हि.स.)। मुनाफावसूली के दबाव के कारण घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को चौतरफा गिरावट का शिकार हो गया। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की लेकिन इसके बाद बाजार पर पूरी तरह से बिकवालों का कब्जा हो गया, जिसकी वजह से शेयर बाजार 1 प्रतिशत से भी अधिक की गिरावट के साथ बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.06 प्रतिशत और निफ्टी 1.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के दौरान बीएसई के सभी सेक्टरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह निफ्टी के सेक्टरल इंडेक्स भी लाल निशान में ही कारोबार करते रहे। ऑयल एंड गैस, फार्मास्यूटिकल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, रियल्टी और एनर्जी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। बाँझ मार्केट में भी आज लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया। बाजार की कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब छई लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 399.77 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 402.19 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.42 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 3,943 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,477 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,367 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 99 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,211 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 718 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,493 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए।

■ ■ ■ ■ ■

चैत्र नवरात्रि के दौरान घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी, सोना और चांदी उछले

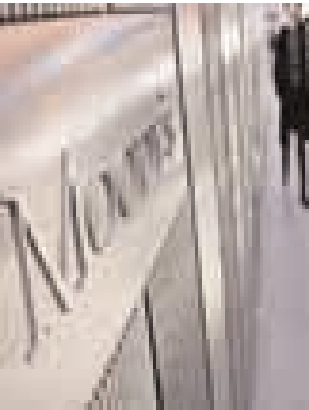
दिल्ली में सोना 72 हजार के पार, चांदी भी 85 हजार के करीब पहुंचा

नई दिल्ली (हि.स.)। चैत्र नवरात्रि के दौरान सर्राफा बाजार में लगातार तेजी जारी है। नवरात्रि के चौथे दिन घरेलू घरेलू सर्राफा बाजार एक बार फिर मजबूती होता नजर आया, जिसके कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के के स्तर को पार कर गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 66 हजार रुपये

सोना और चांदी के दामों में तेजी

मूडीज का 2024 में भारत की जीडीपी 6.1 फीसदी रहने का अनुमान रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत के लिए स्थिर दृष्टिकोण रखा बरकरार

नई दिल्ली (हि.स.)। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कैलेंडर वर्ष 2024 में भारत की अर्थव्यवस्था पिछले साल के मुकाबले कुछ सुस्त रफ्तार से बढ़ने का अनुमान जताया है। रेटिंग एजेंसी ने 2024 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.1 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत के वास्तविक जीडीपी अनुमान को संशोधित कर 8 फीसदी कर दिया है। मूडीज एनालिटिक्स ने शुक्रवार को जारी 'एपीएसी आउटलुक'- लिसनिंग थ्रू द नॉइज़' शीर्षक रिपोर्ट में कहा है कि दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में इस साल सबसे मजबूत उत्पादन लाभ देखने को मिलेगा लेकिन वैश्विक महामारी के बाद देरी से वापसी के कारण उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। एजेंसी को उम्मीद है कि भारत की जीडीपी पिछले साल के मुकाबले 2024 में 6.1 फीसदी की दर बढ़ेगी। रेटिंग एजेंसी ने भारत सरकार के लिए स्थिर दृष्टिकोण बनाए रखा है। एजेंसी की ओर से जारी रिपोर्ट में भारत सरकार की दीर्घकालिक और अल्पकालिक रेटिंग क्रमशः **Baax** और **P-X** पर आंकी गई है। स्थिर दृष्टिकोण के तहत इस संभावना को शामिल किया गया है कि भारत के राजकोषीय मैट्रिक्स में



करीबी साथियों की तुलना में मजबूत विकास धीरे-धीरे जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में भारत की जीडीपी 8.4 फीसदी की दर से बढ़ी है। इसके साथ ही देश सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा। भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर पिछली दो तिमाहियों अप्रैल-जून और जुलाई-सितंबर तिमाही में क्रमशः 7.8 फीसदी और 7.6 फीसदी रही है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में क्रमशः 7.2 फीसदी और वित्त वर्ष 2021-22 में 8.7 फीसदी की दर से भारत की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ी थी। रिजर्व बैंक आंकी गई है। स्थिर दृष्टिकोण के तहत इस संभावना को शामिल किया गया है आर्थिक वृद्धि दर 7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर बढ़ा दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार में दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने कुछ देर तक लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की, लेकिन बिकवाली के दबाव के कारण बाजार लगातार लाल निशान में ही कारोबार करता रहा। पहले घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.57 प्रतिशत और निफ्टी 0.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से डिवीज लेबोरेट्रीज, टाटा मोटर्स, एनपीसीपी, कोल इंडिया और नेस्ले के शेयर 1.52 प्रतिशत से लेकर 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर सन फार्मास्यूटिकल्स, एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, श्रीराम फाइनेंस और टाइटन कंपनी के शेयर 2.16 प्रतिशत से लेकर 1.47 प्रतिशत

शेयर बाजार में गिरावट

की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,075 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 940 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,135 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 24 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 14 शेयर हरे निशान में और 36 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स 148.51 अंक टूट कर 74,889.64 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर इस सूचकांक को 74,951.88 अंक तक

विविध

चैत्र नवरात्रि के दौरान घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी, सोना और चांदी उछले



रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सोना और चांदी के दामों में तेजी

ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के कार्यकर्ताओं ने माता शृंगार गौरी का किया विधिवत दर्शन– पूजन

ज्ञानवापी शृंगार गौरी की वादिनी महिलाओं के साथ उनके अधिवक्ताओं ने भी हाजिरी लगाई

वाराणसी (हि.स.)। वासंतिक चैत्र नवरात्र के चौथे दिन शुक्रवार को ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद और ज्ञानवापी मां शृंगार गौरी केस से जुड़ी वादिनी महिलाओं, पक्षकार और अधिवक्ताओं ने आम श्रद्धालुओं के साथ मां शृंगार गौरी का दर्शन पूजन किया। इस दौरान हर-हर महादेव, जय माता दी के उद्घोष से पूरा परिसर गुंज उठा। मां शृंगार गौरी के पास लगे बैरिकेडिंग को भी भीड़ को देखते हुए हटा दिया गया। ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के कार्यकर्ताओं ने चौक स्थित सत्यनारायण मन्दिर से दर्शन –पूजन की यात्रा शुरू की। महापरिषद के अध्यक्ष शिवकुमार शुक्ल की अगुआई में कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए शृंगार गौरी मंदिर की ओर बढ़े। कड़ी सुरक्षा के बीच श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नम्बर 4 से कार्यकर्ताओं ने ज्ञानवापी में प्रवेश किया। कार्यकर्ताओं ने नारियल, प्रसाद, चुनरी माता रानी के विग्रह पर अर्पित किया और विधिवत दर्शन पूजन किया। कार्यकर्ताओं ने व्यास जी के दरबार, बाबा श्री काशी विश्वनाथ, माता अन्नपूर्णा, ढूंढीराज गणेश का सामूहिक पूजन किया। माता श्रृंगार गौरी के सामने ज्ञानवापी मुक्ति का शपथ एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया।

ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के कार्यकर्ताओं ने चौक स्थित सत्यनारायण मन्दिर से दर्शन –पूजन की यात्रा शुरू की। महापरिषद के अध्यक्ष शिवकुमार शुक्ल की अगुआई में कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए शृंगार गौरी मंदिर की ओर बढ़े। कड़ी सुरक्षा के बीच श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नम्बर 4 से कार्यकर्ताओं ने ज्ञानवापी में प्रवेश किया। कार्यकर्ताओं ने नारियल, प्रसाद, चुनरी माता रानी के विग्रह पर अर्पित किया और विधिवत दर्शन पूजन किया। कार्यकर्ताओं ने व्यास जी के दरबार, बाबा श्री काशी विश्वनाथ, माता अन्नपूर्णा, ढूंढीराज गणेश का सामूहिक पूजन किया। माता श्रृंगार गौरी के सामने ज्ञानवापी मुक्ति का शपथ एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया। कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्वी उत्तर प्रदेश के धर्म जागरण प्रमुख

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर बढ़ा दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

पहुंचा दिया। लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक नीचे गिरता चला गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10=15 बजे सेंसेक्स 113.25 अंक की कमजोरी के साथ 22,640.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। मिले-जुले ग्लोबल संकेतों के बीच प्री ओपनिंग सेशन में घरेलू शेयर बाजार ने बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की थी। इस सेशन में बीएसई का सेंसेक्स 155.23 अंक की तेजी के साथ निफ्टी प्री ओपनिंग सेशन में 8.05 अंक उछल कर 22,761.85 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 354.45 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 75,038.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 111.05 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,753.80 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।



गोलीबारी में चार सौ लोग मारे गए। 1994 - 112 नोबेल पुरस्कार विजेताओं द्वारा %चाइल्ड राइट वर्ल्डसाइट संगठन का गठन। 2001 - विमान चालकों के लौटने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका का चीन के प्रति रुख सख्त। 2002 - शांति के प्रति एलटीटीई प्रमुख वी. प्रभाकरण की प्रतिबद्धता का संयुक्त राज्य अमेरिका ने स्वागत किया। 2003 - एलटीटीई का टोकियो सहायता सम्मेलन का बहिष्कार।

कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 72,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24

■ ■ ■ न्यूज गैलरी

16वें वित्त आयोग ने युवा पेशेवरों और सलाहकारों से आवेदन पत्र किए आमंत्रित

नई दिल्ली (हि.स.)। 16वें वित्त आयोग ने अनुबंध के आलार पर युवा पेशेवरों और सलाहकारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। वित्त आयोग ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर इसके लिए योग्यता, नियम एवं शर्तें, पारिश्रमिक और आवेदन पत्र अपलोड कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि सोलहवें वित्त आयोग ने अनुबंध के आधार पर युवा पेशेवरों और सलाहकारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। आयोग ने इसके लिए अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर योग्यता, नियम एवं शर्तें, पारिश्रमिक और आवेदन पत्र को अपलोड कर दिया है। मंत्रालय के मुताबिक आयोग में अनुबंध के आधार पर युवा पेशेवर और सलाहकार के रूप में नियुक्त होने के इच्छुक आवेदक अपना आवेदन दिए गए ई-मेल आईडी पर भेज सकते हैं। वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय है। यह केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों पर अपना सुझाव देता है। भारत सरकार ने 31 दिसंबर, 2023 को अखंड पनगडिया की अध्यक्षता में 16वें वित्त आयोग का गठन किया है। आयोग 31 अक्टूबर, 2025 तक अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपेगा। आयोग की यह रिपोर्ट एक अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाले पांच साल के लिए होगी।

पेट्रोल–डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 91 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी जारी है। ब्रेंट वरूड का मूल्य 91 डॉलर और डब्ल्यूटीआई वरूड 87 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक,दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली (हि.स.)। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। हालाँकि कारोबार के अंत में वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिक्ताल बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। दूसरी ओर, यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिका में कोर महंगाई के आंकड़े आने के बाद अमेरिकी बाजार में आई गिरावट पर कंज्यूमर प्र्राइस इंडेक्स के आंकड़े भारी पड़े, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों ने शुरुआती गिरावट के बाद रिकवरी कर ली। हालाँकि पूरे दिन के कारोबार के बाद डाउ जॉन्स 2 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ बंद हुआ।

अमेरिकी बाजार में तेजी

उत्तर प्रदेश सरकार के अंतर्गत राज्यपाल के पद पर कार्यरत रहे। 1898 - चन्द्रलाल शाह - हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध निर्माता-निर्देशक और पटकथा लेखक। 1932 - केपी सक्सेना - भारतीय व्यंयकार व लेखक। 1940 - नज्मा हेपतुल्ल - प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ और लेखिका। 1925 - वर्मा मलिक - भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध गीतकार।

निधन

2021 - बलबीर सिंह जूनियर - भारतीय हॉकी टीम के भूतपूर्व खिलाड़ी। 1963 - बाबू गुलाबराय - भारत के प्रसिद्ध साहित्यकार, निबन्धकार और व्यंग्यकार। 1973 - बलराज साहनी - फिल्म अभिनेता। 1982 - बीपी मंडल - भारतीय राजनीतिज्ञ तथा बिहार के मुख्यमंत्री।

■ ■ ■ ■ ■

■ ■ ■ ■ ■

■ ■ ■ ■ ■

क्रिकेट एकेडमी की फेंचाइजी देने का झांसा देकर लाखों की ठगी में पूर्व क्रिकेटर मिहिर दिवाकर गिरफ्तार

जयपुर (हि.स.)। करणी बिहार थाना पुलिस टीम ने क्रिकेट एकेडमी की फेंचाइजी देने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी मामले में पूर्व क्रिकेटर मिहिर दिवाकर को गिरफ्तार किया है। करणी बिहार थाना पुलिस ने मिहिर को नोएडा से पकड़ कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे एक दिन के रिमांड पर भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ करने में जुटी है। जांच अधिकारी एसआई रामपाल ने बताया कि क्रिकेट एकेडमी की फेंचाइजी देने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी के मामले में नोएडा (उत्तर प्रदेश) निवासी पूर्व क्रिकेटर मिहिर दिवाकर को गिरफ्तार किया है। वह भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का बिजनेस पार्टनर रह चुका है। महेंद्र सिंह धोनी ने 15 अगस्त, 2021 को मिहिर दिवाकर और सोम्या दास की कंपनी अरका स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड से कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर लिया था। पुलिस जांच में सामने आया है कि 4 मार्च, 2023 को करणी बिहार थाने में गंगा सागर स्कीम सिरसी रोड निवासी जयदेव रोज ने अरका स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मिहिर दिवाकर, उसकी पत्नी सोम्या दास, कंपनी के अधिकारी रोहित जग्गी और अजय बोहरा के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। आरोप लगाया था कि इन लोगों ने क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के नाम से एकेडमी के लिए फेंचाइजी देने का झांसा देकर धोखाधड़ी कर 12 लाख रुपये हड़प लिए हैं। इसी शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच के बाद मिहिर दिवाकर को नोएडा से दबिशा देकर पकड़ा है। पूर्व क्रिकेटर मिहिर दिवाकर ने 39 फर्बर्ट क्लास और 36 लिस्ट ए मैच खेले हैं। वह बिहार की रणजी टीम में धोनी के साथ थे। साल 2000 में अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली इंडियन टीम में भी रहे थे।

दिल्ली के मुख्य सचिव व एक अन्य अधिकारी के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

अल्मोड़ा (हि.स.)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अल्मोड़ा की अदालत ने दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार और उनके अधीनस्थ काम करने वाले अधिकारी वाईबीवीजे राजशेखर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश के बाद राजस्व पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। अदालत ने बीते 2 मार्च को अधिकारियों के खिलाफ एक गैर सरकारी संगठन प्लेजेंट वैली फाउंडेशन की शिकायत को स्वीकार किया था। साथ ही न्यायालय ने राजस्व पुलिस को उनके खिलाफ मामला दर्ज करने और आरोपों की जांच करने के आदेश भी दिए थे। शिकायतकर्ता प्लेजेंट वैली फाउंडेशन ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने 14 फरवरी को डांडा-कांडा गांव में एनजीओ द्वारा संचालित एक स्कूल में चार लोगों को भेजा। वहां पहुंचर इन लोगों ने एनजीओ के संयुक्त सचिव के कार्यालय कक्ष में तोड़फोड़ की और फाइलें, रिकॉर्ड, दस्तावेज और पेन ड्राइव अपने साथ ले गए, जिनमें कथित तौर पर घोटाले से जुड़े सबूत थे। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उन्हें सतर्कता विभाग और अन्य जगहों पर घोटालों से जुड़ी दर्ज कराई गई शिकायत को वापस लेने की धमकी दी गई है, ऐसा न करने पर एनजीओ के अधिकारियों को फंसाने की भी धमकी दी गई है। शिकायतकर्ता संस्था ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि अधिकारियों की ओर से भेजे गए लोगों ने टाइप किए गए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर करने की भी कोशिश की। ये काराजात वे अपने साथ लाए थे। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाए थे कि जब उसने विरोध किया तो वे लोग दरज में रखी 63,000 रुपये की नकदी भी लेकर चलते बने।

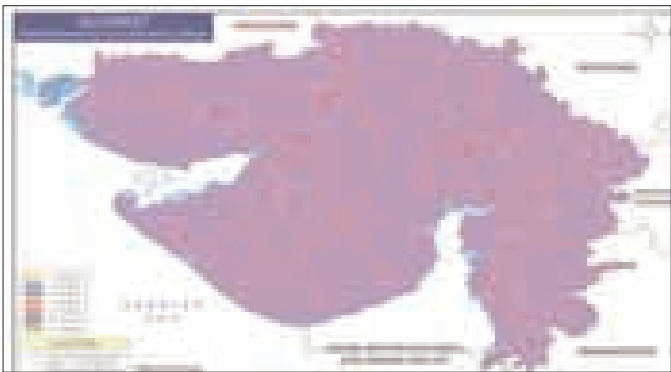
लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए अधिसूचना जारी

12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की 94 सीटों पर मतदान 07 मई को

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण की अधिसूचना शुक्रवार जारी हो गई। इस चरण में 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की 94 सीटों पर मतदान 07 मई को होगा। मध्य प्रदेश की बैतूल लोकसभा सीट पर भी मतदान 07 मई को ही होगा। तीसरे चरण के चुनाव के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 19 अप्रैल है। इस चरण में असम की चार, बिहार की पांच, छत्तीसगढ़ की सात, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव की सभी दो, गोवा की सभी दो, गुजरात की सभी 26, जम्मू एवं कश्मीर की एक, कर्नाटक की 14, महाराष्ट्र की 11, मध्य प्रदेश की 8, उत्तर प्रदेश की 10 और पश्चिम बंगाल की चार सीटों पर मतदान होगा।

तीसरे चरण के चुनाव के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 19 अप्रैल है। नामांकन पत्रों की जांच 20 अप्रैल को होगी जबकि 22 अप्रैल तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के बैतूल लोकसभा सीट पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना था लेकिन बसपा प्रत्याशी अशोक भत्तावी के निधन के कारण इस सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया। अब इस चरण का मतदान तीसरे चरण में यानी 07 मई को होगा। इस चरण में जिन सीटों पर मतदान होना है उनका नाम इस प्रकार है-

असम की कोकराझार (एसटी), धुबरी, बारपेठा, गुवाहाटी; बिहार की झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा; छत्तीसगढ़ की



खगडिया, सरगुजा (एसटी), रायगढ़ (एसटी), जांजगीर-चांपा (एससी), कोरबा, बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर। गोवा की उत्तरी गोवा और दक्षिणी गोवा। गुजरात की कच्छ (एससी),

बनासकांठ, पाटण, महेशाणा, साबरकांठ, गांधीनगर, अहमदाबाद पूर्व, अहमदाबाद पश्चिम (एससी), सुरेन्द्रनगर, राजकोट, पोरबंदर, जामनगर, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, आणंद,

वायु सेना के लिए और खरीदे जाएंगे 97 एलसीए मार्क 1 ए लड़ाकू विमान



हजार करोड़ रुपये का था।

भारतीय वायु सेना के लिए 83 तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट के सौदे पर 03 फरवरी, 2021 को बंगलुरु में एयरो इंडिया के दौरान हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के लिए एंटी टेंडर की कीमत 65 हजार करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है। यह स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर के लिए सबसे बड़ा ऑर्डर होगा, क्योंकि 83 एलसीए मार्क-1ए के लिए पिछला ऑर्डर 48

मिल जाएंगे। इनमें 73 लड़ाकू विमान और 10 ट्रेनर विमान होंगे। वायु सेना को इसी सौदे का पहला दिवन-सीटर ट्रेनर पिछले साल 04 अक्टूबर को एचएएल ने वायुसेना को सौंप दिया था। वायु सेना की जरूरत को देखते हुए केंद्र सरकार ने लंबे इंतजार के बाद पिछले साल 30 नवंबर को 97 तेजस एमके-1ए खरीदने को मंजूरी

दी थी। एचएएल के साथ अतिरिक्त 97 तेजस एमके-1ए के सौदे पर हस्ताक्षर होने के बाद कुल 180 विमानों का उत्पादन किया जाना है। एचएएल ने 83 विमानों का ऑर्डर मिलने पर प्रति वर्ष 16 जेट तैयार करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन 97 विमानों का और ऑर्डर मिलने पर प्रति वर्ष 32 जेट का उत्पादन करने की तैयारी है। रक्षा मंत्रालय ने हाल ही में एचएएल को निविदा जारी की गई थी और उन्हें इसका जवाब देने के लिए तीन महीने का समय दिया गया है। यह कार्यक्रम भारतीय वायुसेना को मिग-21, मिग-23 और मिग-27 के अपने बेड़े को बदलने में मदद करेगा। वायु सेना की जरूरतों को देखते हुए तैयार किये जा रहे एलसीए तेजस एमके-1ए फाइटर जेट में एवियोनिक्स, हथियार और रखरखाव में 43 तरह के सुधार

किये गए हैं। एचएएल के मुताबिक अब तेजस एमके-1ए में अत्याधुनिक आईएसए रडार होगा, जो तेजस एमके-1 के इजरायली ईएल/एम-2032 रडार से बेहतर होगा। पहले बैच में इजरायली ईएल/एम-2052 रडार होगा, जबकि बाकी में स्वदेशी उत्तम रडार होगा। तेजस एमके-1ए में इजरायली ईएलएल-8222 जैमर पॉड होगा, जो बीबीआर या एसएमम मिसाइलों के रडार सिमल को बाधित करेगा। आधुनिक वायु युद्ध के लिहाज से यह सुधार काफी महत्वपूर्ण है। तेजस एमके-1ए में युद्ध के लिए नजदीकी, बीबीआर और लंबी दूरी की बीबीआर बेहतर मिसाइलें होंगी। इसमें हवा से जमीन पर हमला करने के लिए 500 किलोग्राम एलजीबी और बिना गाइड वाले बम भी होंगे।

चुनाव आयोग का बड़ा निर्णय: घाटी के विस्थापितों के लिए फॉर्म एम भरने की बोझिल प्रक्रिया खत्म

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने आम चुनाव-2024 में कश्मीरी प्रवासियों को मतदान की सुविधा देने से जुड़ा एक बड़ा फैसला लिया है। आयोग ने कहा कि उधमपुर में रहने वाले घाटी के विस्थापित लोगों के लिए फॉर्म-एम भरने की बोझिल प्रक्रिया को समाप्त कर दिया है। इसके अतिरिक्त जम्मू और उधमपुर के बाहर रहने वाले प्रवासियों (जिनके लिए फॉर्म एम जमा करना जारी रहेगा) के लिए ईसीआई ने फॉर्म-एम के साथ संलग्न प्रमाणपत्र के स्व-सत्यापन को अधिकृत किया है। इससे प्रमाणपत्र को राजपत्रित अधिकारी द्वारा सत्यापित कराने की प्रेशानी दूर हो गई है। आयोग ने मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू के साथ एक बैठक में यह निर्णय लिया। उल्लेखनीय है कि आयोग को फॉर्म-एम भरने में आने वाली कठिनाइयों पर कई कश्मीरी प्रवासी समूहों से विभिन्न अभ्यावेदन प्राप्त हुए थे। फॉर्म-एम प्रक्रिया के चलते विस्थापितों को अन्य मतदाताओं



की तुलना में अतिरिक्त नौकरशाही बाधाओं का सामना करना पड़ता है और फॉर्म-एम भरने की प्रक्रिया अक्सर जटिल और बोझिल होती है, जिसके लिए विशिष्ट दस्तावेज, प्रवासन स्थिति का प्रमाण और एक राजपत्रित अधिकारी द्वारा सत्यापन की आवश्यकता होती है। आयोग का कहना है कि सभी 22 विशेष मतदान केंद्रों (जम्मू में 21 और उधमपुर में 1) को व्यक्तिगत रूप से शिविरों/क्षेत्रों में मैप किया जाएगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक क्षेत्र में कम से कम 2 विशेष मतदान केंद्र हों।

कटरा सहित विभिन्न गंतव्यों के लिए, चलेंगी ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली (हि.स.)। रेल यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए रेलवे ने नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा सहित कुल तीन ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें कुल 116 फेरे लगाएंगी। उत्तर रेलवे ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। **नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा-नई दिल्ली आरक्षित त्योहार स्पेशल (38 फेरे)** रेलगाड़ी संख्या 04075 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा 28 अप्रैल से 30 जून तक प्रत्येक बुधवार और रविवार को चलेगी।

रेलगाड़ी संख्या 04076 श्री माता वैष्णो कटरा-नई दिल्ली 29 अप्रैल से 1 जुलाई तक प्रत्येक गुरुवार और सोमवार को चलेगी। ये ट्रेन दोनों दिशाओं में कुल 38 फेरे लगाएंगी। यह ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में सोनीपत, पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र जंक्शन, अम्बाला कैट, ढंडारी कलां, जालंधर कैट, पठानकोट कैट, जम्मू तवी और शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशनों पर रुकेगी। **दिल्ली जं. -वाराणसी- दिल्ली जं. आरक्षित त्योहार स्पेशल सुपरफास्ट एक्सप्रेस (56 फेरे)** रेलगाड़ी संख्या 04080 दिल्ली जं. -वाराणसी 27 अप्रैल से 29 जून



तक प्रत्येक सोमवार, गुरुवार और शनिवार को चलेगी। रेलगाड़ी संख्या 04079 वाराणसी- दिल्ली जं. 28 अप्रैल से 30 जून तक प्रत्येक मंगलवार, शुक्रवार एवं रविवार को चलेगी। ये ट्रेन दोनों दिशाओं में कुल 56 फेरे लगाएंगी। ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में गाजियाबाद, मुरादाबाद, लखनऊ और मां बेल्टा देवी धाम स्टेशनों पर ठहरेगी। **श्री माता वैष्णो देवी कटरा-वाराणसी-श्री माता वैष्णो देवी कटरा त्योहार स्पेशल एक्सप्रेस (22 फेरे)** रेलगाड़ी संख्या 04624 श्री

माता वैष्णो कटरा-वाराणसी 21 अप्रैल से 30 जून तक प्रत्येक रविवार को चलेगी। रेलगाड़ी संख्या 04623 वाराणसी-श्री माता वैष्णो कटरा 23 अप्रैल से 2 जुलाई तक प्रत्येक मंगलवार को चलेगी। ये ट्रेन दोनों दिशाओं में कुल 22 फेरे लगाएंगी। ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में शहीद कैप्टन तुषार महाजन, जम्मू तवी, पठानकोट कैट, जालंधर कैट, ढंडारी कलां, अंबाला कैट, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ (एनआर), रायबरेली और मां बेल्टा देवी धाम स्टेशनों पर रुकेगी।

